आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 85 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शनिवार, 29 मार्च, 2025

7.7 तीव्रता के भूकंप से भारी तबाही : थाईलैंड से लेकर म्यांमार एक दिन में 6 बार हिली धरती, 43 लोग लापता, सैकड़ों घायल, सेना ने पूरी दुनिया से मांगी मदद, थाईलैंड में सभी स्कूल बंद

भरभराकर गिरीं इमारतें, 150 की मौत, आपातकाल घोषित

एजेंसी ● नई दिल्ली

म्यांमार और थाईलैंड में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटकों के बाद भारी तबाही हुई। इस शक्तिशाली भूकंप में इमारतों, पुल और बांध को नुकसान हुआ है। दो सबसे अधिक प्रभावित शहरों से विचलित करने वाला मंजर सामने आया है। रिक्टर स्केल पर 7.7 तीव्रता के इस भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे लगे झटकों के कुछ ही देर बाद 6.4 तीव्रता का भूकंप भी आया।

तबाही

गृहयुद्ध में उलझे देश म्यांमार में एक आधिकारिक बयान के तौर पर सैन्य सरकार के प्रमुख ने मरने वाले लोगों की संख्या बताई। टीवी पर प्रसारित भाषण के मुताबिक कम से कम 144 लोग मारे गए और 730 अन्य घायल हुए हैं। वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, 'मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।'

वहीं राजधानी नेपीडॉ से ली गई तस्वीरों में भूकंप से क्षतिग्रस्त कई इमारतें दिखाई दे रही हैं और बचाव दल पीड़ितों को मलबे से निकाल रहे हैं। मामले में म्यांमार की सरकार ने कहा कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में अस्पतालों के ब्लड बैंक में खून की कमी है, जिसकी मांग बढ़ गई है। वहीं मांडले शहर में टूटी-फूटी सड़कें और क्षतिग्रस्त राजमार्गों के साथ-साथ एक पुल और बांध के ढहने की तस्वीरों ने इस बारे में और चिंताएं पैदा कर दी हैं कि बचाव दल पहले से ही व्यापक मानवीय संकट से जूझ रहे देश के कुछ क्षेत्रों तक कैसे पहुंच पाएंगे। म्यांमार के मांडले में स्थित दूसरे विश्व युद्ध के समय का फेमस अवा ब्रिज भीषण भूकंप के कारण इरावदी नदी में गिर गया। म्यांमार में पहला भूकंप सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7.2 मापी गई। इसके बाद दूसरा झटका दोपहर 12 बजकर दो मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7 मापी गई। इसके बाद एक-एक घंटे के अंतराल पर दो और भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके भारत, चीन और बांग्लादेश तक महसूस किए गए।

बांग्लादेश, चीन, लाओस और थाइलैंड और भारत में भी इस भूकंप के चलते धरती डोली। भारत में पश्चिम बंगाल से लेकर नॉर्थ ईस्ट के राज्यों और दिल्ली तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। पूर्वोत्तर के राज्यों में भी घरों की खिड़कियों, पंखे हिलते हुए नजर आए।

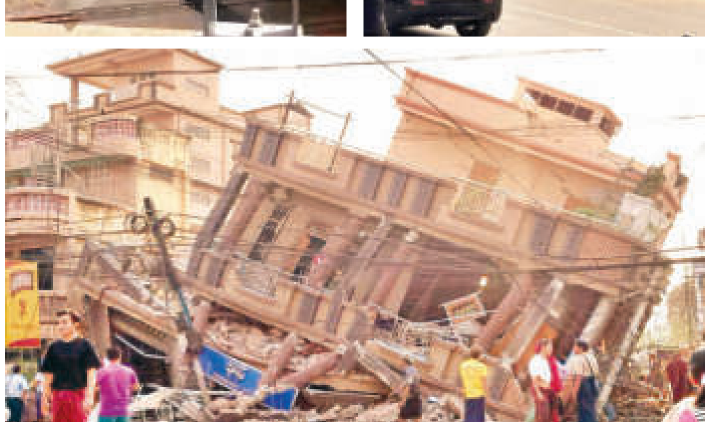

बैंकॉक में निर्माणाधीन इमारत ढही

बैंकॉक पुलिस का कहना है कि दोपहर में थाई राजधानी में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में निर्माणाधीन ऊंची इमारत ढह गई। टावर गिरने से कम से कम 43 लोग लापता हो गए हैं। उनके मरने की आशंका जताई जा रही है। दो मौत की पुष्टि हो गई है। पुलिस के मुताबिक, बैंकॉक के लोकप्रिय चतुचक मार्केट के पास घटना हुई। इस बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है कि ढहने के समय साइट पर कितने श्रमिक थे? ऊंची इमारतों की छतों पर बने 'स्वीमिंग पूल' का पानी भूकंप के कारण बाहर आ गया तथा कई इमारतों से मलबा गिरने लगा। देशभर के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। थाई प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने शक्तिशाली भूकंप के बाद तत्काल बैठक बुलाई।

दोनों देशों में आपातकाल

भीषण भूकंप के बाद म्यांमार और थाईलैंड में आपातकाल की घोषणा की गई है। बैंकॉक में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.2 और 7.0 रही। पहले दोनों ही भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में था, जबकि तीसरा जमीन से 22.5 किलोमीटर गहराई में आया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ाया मदद का हाथ

भूकंप को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी की तरफ से भी इसपर प्रतिक्रिया दी गई है। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा मैं म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। इस संबंध में, हमने अपने अधिकारियों से तैयार रहने को कहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय से म्यांमार और थाईलैंड की सरकारों के साथ संपर्क में रहने को कहा है। पीएम मोदी अगले महीने 3 और 4 अप्रैल को BIMSTEC समिट में हिस्सा लेने के लिए थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंच रहे हैं।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 2% बढ़ा

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (DA) में 2% की बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सरकार की ओर से यह बड़ा फैसला लिया गया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही अब केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता (डीए) और पेंशनर्स का महंगाई राहत (डीआर) 53 फीसदी से बढ़कर 55 फीसदी हो जाएगा। यह बढ़ोतरी सातवें वेतन आयोग के तहत की गईहै।

राहत

आखिरी बार बढ़ोतरी जुलाई 2024 में हुई थी, जब महंगाई भत्ता 50 फीसदी से बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया गया था। अब 2 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है, जिसके बाद कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में 2 फीसदी का और महंगाई भत्ता जोड़ा जाएगा। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2025 से प्रभावी मानी जाएगी। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से करोड़ों कर्मचारियों और पेंशनर्स को लाभ मिलेगा।

अगर किसी की बेसिक सैलरी 50 हजार रुपये है तो 53% डीए के हिसाब से उसे रुपए 26,500 का महंगाई भत्ता मिलता होगा, लेकिन 55 फीसदी के डीए के हिसाब से उसे रुपे 27,500 का डीए मिलेगा। यानी कर्मचारियों की सैलरी में 1 हजार रुपये का इजाफा होगा। वहीं 70 हजार रुपये की बेसिक सैलरी पर अभी महंगाई भत्ता रुपए 37,100 मिलता होगा, लेकिन 55 फीसदी डीए के हिसाब से रुपए 38,500 महंगाई भत्ता मिलेगा। यानी ऐसे कर्मचारियों की सैलरी में रुपए 1,400 की बढ़ोतरी होगी। इसी तरह, रुपए 1,00,000 बेसिक सैलरी वालों को 53 प्रतिशत डीए के हिसाब से रुपए 53,000 महंगाई भत्ता मिलता होगा, लेकिन अब 55 फीसदी के हिसाब से 55 हजार रुपये का डीए मिलेगा। यानी कर्मचारियों की सैलरी में 2 हजार रुपये मासिक की बढ़ोतरी होगी।

78 महीने में पहली बार ऐसा

पिछले कुछ साल में महंगाई भत्ते में 3 से 4 फीसदी के हिसाब से ही महंगाई भत्ता बढ़ा था, लेकिन 78 महीने यानी 6.6 साल में पहली बार ऐसा हो रहा है कि डीए में सिर्फ 2 फीसदी का इजाफा किया गया है। इससे पहले साल 2018 में 2 फीसदी की दर से महंगाई भत्ता बढ़ा था। उसके बाद से लगातार 3 या 4 फीसदी का ही इजाफा देखने को मिला है।

2 महीने का मिलेगा एरियर

सरकार ने महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान मार्च के महीने में किया है। ऐसे में दो महीने का बकाया भी एक साथ जोड़कर मार्च की सैलरी के साथ दिया जाएगा। जनवरी और फरवरी महीने के साथ मार्च का भी महंगाई भत्ता एकसाथ सैलरी में जोड़कर कर्मचारियों के खाते में भेजा जाएगा। अगर किसी केंद्रीय कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 19000 रुपये होगी तो उसे महंगाई भत्ते के तौर पर 10,070 रुपये मिलता था। अब 2 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह भत्ता 10,450 रुपये हो गया है।

सोना-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया है। इस वजह से दिल्ली के सराफा बाजार में भी शुक्रवार को सोने की कीमत 1,100 रुपये भड़क गई। यह पीली धातु बढ़कर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। सोने की तरह चांदी भी 1,300 रुपये चमककर 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गई। सोने की कीमतों में आई इस तेजी का कारण ग्लोबल ट्रेड वॉर और आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव की आशंका है।

जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर, इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा अभी कोई भी न्यायिक काम न सौंपा जाए

एजेंसी ● नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इसकी सिफारिश की थी। केंद्र सरकार ने इस सिफारिश को मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा है कि जस्टिस वर्मा को अभी कोई भी न्यायिक काम न सौंपा जाए।

दरअसल जस्टिस वर्मा के सरकारी घर से कुछ दिन पहले जले हुए नोट मिलने का मामला सामने आया था। इस मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने 21 मार्च को एक आंतरिक जांच की शुरुआत की और 3 सदस्यीय समिति गठित की गई। अभी मामले की जांच की जा रही है। जल्दी ही कमिटी अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप देगी। इस मामले को लेकर देश का सियासी पारा भी काफी चढ़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से शुक्रवार शाम प्रेस रिलीज जारी कर कहा गया, 'जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर होने के बाद उनके द्वारा वहां चार्ज लेने के बाद जस्टिस वर्मा को कोई ज्यूडिशियल वर्क न सौंपा जाए।'

कठुआ में मारे गए जैश के आतंकियों की संख्या हुई पांच

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले सुदूर जंगली इलाके में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़ में जैश के 5 आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। कठुआ जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान में मारे गए आतंकवादियों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। शुक्रवार को जंगल में दो और शव बरामद किए गए, जहां वे छिपे हुए थे। वहीं, तीन पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि सात सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं।

राज्यपाल बोले- कर्मयोगी भाव समय की जरूरत

सीएम ने कहा- राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर बढ़ रहा प्रदेश

संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ किया। कार्यशाला का आयोजन राजभवन मध्यप्रदेश द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग और यूनाइटेड कॉन्शियसनेस के सहयोग से किया गया था।

संबोधन

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश इतिहास के ऐसे पड़ाव पर पहुंच गया है, जहां से साफ दिख रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। कर्मयोगी भाव, भावनाओं के साथ विकसित भारत के लिए प्रतिबद्ध प्रयास समय की जरूरत है। कर्मयोग दैनिक जीवन में उच्चतर उद्देश्य के लिए आगे बढ़ने का वह रास्ता है जो व्यक्तिगत उन्नति के साथ समाज सुधार और सेवा का प्रभावी साधन है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी विभिन्न भाषाए, बोलियां, मनोभाव और मूकभाव सभी संस्कृति के वह आभूषण है, जिन पर हमें गर्व है। प्रदेश में अन्य भाषाओं तमिल, तेलुगू आदि पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रदेश में प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिशन कर्मयोगी के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल करते हुए कमेटी बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता और अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने छिंदवाड़ा के पारंपरिक बुनकरों द्वारा तैयार उत्तरीय परिधान और पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया। कार्यशाला में उप कुलपति जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रोफेसर शांतिश्री धुलीपुड़ी पंडित, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री भरत शरण सिंह, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत बरबड़े भी मंचासीन थे।

कार्य शाला कर्मवाद के पुर्नजागरण की पहल: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कर्मयोगी कार्य शाला का आयोजन अद्भुत है। कार्यक्रम का भाव और भावना अभूतपूर्व है। सौभाग्य की बात है कि 5 हजार वर्ष पूर्व प्रदेश की धरती से शिक्षित कर्मयोगी के कर्मवाद का पुनर्जागरण प्रदेश से ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कर्मयोगी ऋषि परंपरा का अक्षरक्ष: प्रतिरुप है। प्रधानमंत्री जी के मनोभावों के आधार पर सुशासन के दृष्टिगत होने वाले सभी सुशासन के प्रयोगों को अंतिम कड़ी तक पहुँचाने का प्रयास मिशन कर्मयोगी है। निष्काम भाव, अहंकार से मुक्त बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के लिए निरंतर कार्य करना ही कर्मयोग है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशालता अद्भुत है, जो अतिरंजित बातों को भी सुन लेती है। सही, अच्छी बातों को सद्भावना के साथ लेकर आगे चलती है। इसी लिए आज दुनिया भारतीय दर्शन से प्रेरणा प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति का दायरा असीमित है, जिसमें सारे ब्रह्मांड के कल्याण का चिंतन है। भारत के तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केंद्र सम्पूर्ण मानवता के लिए कार्य करते थे। भारत ने कभी दूसरे देशों पर आक्रमण नहीं किया।

सर्वेक्षण के लिए सजाया चौराहा

स्वच्छता सर्वेक्षण चल रहा है, इसके लिए नगर निगम ने एमटीएच चौराहे को बेहतर सजाया है।

भावना हत्याकांड :सट्टे के कारोबार की भी जांच, ताकि और भी धरपकड़ हो सके

दोनों आरोपियों ने खुलवाए थे 50 से ज्यादा फर्जी खाते

संवाददाता ● इंदौर

महालक्ष्मी नगर में हुए भावना सिंह हत्याकांड के आरोपी अब सलाखों के पीछे है। पुलिस हत्या के केस के साथ आरोपियों के सट्टे के कारोबार की भी जांच कर रही है, ताकि उसके जरिए गिरोह में शामिल दूसरे सदस्य भी पकड़े जा सके। आरोपी आशु

फर्जीबाड़ा

औरमुकुल ने मोबाइल की फर्जी सिम बड़े पैमाने पर खरीदी थी। उनके जरिए वो बैंकों में फर्जी खाते खोले थे, ताकि आनलाइन सट्टे का पैसा उन खातों में ट्रांसफर किया जा सके। सट्टेबाजी में उनके साथ और कौन-कौन शामिल है। इसकी पड़ताल भी पुलिस अफसर कर रहे हैं। मुकुल औरआशु का वैसे पुलिस को पुराना आपराधिक रिकार्ड नहीं मिला। दोनों पहले एक कंपनी में काम करते थे। साल भर पहले ही उन्होंने नौकरी छोड़कर सट्टेबाजी का काम शुरू किया था। एप के जरिए वे नए लोगों को इससे जोड़ते थे। आरोपियों के जिन दोस्तों ने फ्लैट का रेंट एग्रीमेंट कराया था, क्या वे भी सट्टेबाजी में उनके साथ शामिल थी। इसकी भी जांच की जा रही है।

एक हजार किमी तक पीछा कर धरदबोचा

इधर हत्या के बाद पुलिस ने एक हजार किमी तक पीछाकर आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस का कहना है कि फरारी के दौरान इनमें से किसी ने एटीएम और मोबाइल फोन यूज नहीं किया। उन्हें डर था कि ऐसा करने पर पुलिस को उनकी लोकेशन मिल जाएगी।आरोपियों के कब्जे से कुल 34 मोबाइल फोन, अलग-अलग बैंकों के 24 एटीएम कार्ड, सट्टे का हिसाब और बीस हजार रुपए नकद जब्त किए गए हैं।

एक दिन पहले भी की थी पार्टी

भावना इंदौर में मेकअप का कोर्स करने के लिए ग्वालियर से हत्या के तीन दिन पहले ही आई थी। वह एक होटल में रुकी थी। हत्या के एक दिन पहले भी वह आरोपियों के साथ फ्लैट में पार्टी करने गई थी। स्वस्ति राय भावना की सहेली थी, लेकिन भावना ग्वालियर के निवासी होने के कारण आशु और मुकुल को भी पहले से जानती थी,इसलिए वह पार्टी में जाने के लिए तैयार हो गई थी।

भावना ने उसे रोका था, पर वो नहीं माना

भावना सिंह की गोली मारकर हत्या करने से पहले उसका दोस्त मुकुल यादव से विवाद हुआ था। वह तेज आवाज में पंजाबी सॉन्ग बजा रहा था। भावना ने उसे रोका, वह नहीं माना और गुस्से में उसने देसी कट्टे से फायर कर दिया। इससे पहले दोनों ने दोस्तों के साथ बैठकर जमकर शराब पी थी।

छह लोगों से रुपए लेकर आरोपी भाग निकला

पीएम आवास योजना में फ्लैट का झांसा देकर 82 लाख की ठगी

संवाददाता ● इंदौर

प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक जालसाज के विरुद्ध केस दर्ज किया है। आरोपी सस्ते फ्लैट और मुनाफे का झांसा देता था। उसने छह लोगों से 82 लाख रुपये एकत्र किए और रातोंरात फरार हो गया। एक पीड़ित की चेकबुक और बाइक भी ले गया है। डीसीपी (अपराध) राजेश त्रिपाठी ने बताया कि आवेदक चंदन अशोक पाटिल निवासी भावेश अपार्टमेंट इंद्रपुरी कालोनी (भंवरकुआं) और नमन लाखन कुमार चौधरी निवासी साईं सागर कालोनी (राऊ) ने पुलिस आयुक्त संतोष कुमारसिंह को शिकायत की थी। निरीक्षक आशीष सप्रे ने जांच के दौरान कथन लिए तो आवेदकों ने बताया कि आरोपी दीपक तुर्कर ने प्रधानमंत्री आवास योजना में सस्ते फ्लैट की बुकिंग का झांसा दिया था। उसने चंदन और नमन के अलावा गिरीश मेड़ा, नंदनी चौहान, राधेश्याम खाटवा, मानस दोगने, अंकित गुर्जर और उनके परिचितों से रुपये ले लिए। चंदन ने पुलिस को बताया कि दीपक पुत्र भुनश्वर निवासी गन्ना तौल टीवीसी कदरी कालन कांदरीकलां किरनालपुर (बालाघाट) उसके साथ ही रूम पर रहता था। उसने खुद को ठेकेदार बताया और कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में फ्लैट बना रहा है। उसने बताया कि अफसरों से बात कर योजना के सस्ते फ्लैट दिलवा सकता है। बाद में फ्लैट बेच कर लाखों रुपये मुनाफा कमाया जा सकता है।

ठगी

पीड़ित से ठगे 11 लाख

दीपक ने बताया कि उसकी मान्या द बिजनेस एम्पायर के नाम से फर्म है। वह रुपये लेने के बाद फर्म के नाम की रसीदें भी देता था। उसने यह भी कहा कि फ्लैट न मिलने पर हर महीने मुनाफा भी देगा। इसी तरह से झांसेबाजी कर चंदन के पिता अशोक पाटिल से भी उसने 11 लाख रुपये ले लिए। आरोपी ने चंदन की चेकबुक चुरा ली और राशि भरकर लोगों को जमानत के तौर पर लोगों को चेक दे दिए। वह चंदन की बाइक (बुलैट) भी चुरा कर ले गया। पीड़ितों को ठगी की जानकारी मिलने पर सीपी के पास पहुंचे और दीपक की शिकायत की। पुलिस ने शुक्रवार को दीपक के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया।

10% से कम के भी प्रस्ताव हासिल करने की सहमति

256 करोड़ की 27 दुकानें बच गईं दो दुकानों की नीलामी 13 करोड़ में

संवाददाता ● इंदौर

आबकारी विभाग अपनी सभी दुकानों की नीलामी में जुटा है, मगर पहली खेप में 20 फीसदी से अधिक कीमत पर कई समूह आगामी वित्त वर्ष के लिए भी वर्तमान ठेकेदारों ने हासिल कर लिए। इंदौर की 175 दुकानों के लिए कुल 73 समूह विभाग ने बनाए थे और कुल 1751 करोड़ रुपए का आरक्षित मूल्य तय किया, जिसमें से 1495 करोड़ की दुकानें नीलाम हो गई हैं और अब 256 करोड़ की 27 दुकानें नीलामी से बची हैं, जिनके लिए 10 फीसदी से कम के भी प्रस्ताव हासिल करने की सहमति शासन ने दे दी है।

वहीं अभी तीन समूह में शामिल दुकानों की नीलामी हो गई, जिसमें पलासिया, छावनी, बिजलपुर समूह शामिल रहे। शेष बची समूहों की दुकानों के लिए आबकारी विभाग 4 से 5 बार ई-टेंडर और लॉटरी की प्रक्रिया कर चुका है और उसके बाद जो 18 समूह की 34 दुकानें बची थी उसमें भी फिर बदलाव किया गया, जिसके चलते 3 समूह की दुकानें भी नीलाम हो गई, जिसमें बिजलपुर, केसरबाग, बालदा कॉलोनी की तीन दुकानों के एवज में 27.62 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसी तरह पलासिया, बड़ी ग्वाल टोली की 2 दुकानें 17.05 करोड़ रुपए में नीलाम हुई हैं। संयोगितागंज, छावनी की भी दो दुकानें 13.30 करोड़ रुपए में नीलाम करने में सफलता मिली है।

20% से अधिक का मूल्य दे रहे व्यापारी

शासन ने अपनी नई आबकारी नीति के तहत इंदौर सहित प्रदेशभर में देसी-विदेशी शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया शुरु करवाई। हालांकि इंदौर जिले में बेहतर राजस्व प्राप्त हो जाएगा, क्योंकि 64 दुकानों को अगले साल के लिए भी चलाने का ठेका मौजूदा लाइसेंसियों ने ही हासिल कर लिया है और इसके एवज में 20 फीसदी से अधिक का मूल्य भी चुकाया जा रहा है।

संभागायुक्त ने ड्रोन सर्वे कराने के दिए निर्देश

सरकारी जमीन पर अवैध बसी अंबेनगर कॉलोनी की फिर से कराई जाएगी जांच

संवाददाता ● इंदौर

शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बसाई गई अंबे नगर कॉलोनी का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। 12 साल बीत जाने के बावजूद इस भूमि पर अवैध कब्जे जस के तस बने हुए हैं। ग्राम सुखलिया स्थित आईटीआई की सर्वे नंबर 596 की भूमि पर यह कॉलोनी विकसित की गई थी।

तत्कालीन कलेक्टर ने इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कॉलोनाइजर पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) भी लगा दिया था। जब जिला प्रशासन ने इस भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का प्रयास किया तो मामला उच्च न्यायालय पहुंच गया। वर्ष 2012 में दायर याचिका के बाद जांच करवाई गई और वर्ष 2014 में शासन को प्रतिवेदन भेजा गया। हालांकि, 12 वर्षों के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। अब संभागायुक्त ने फिर से इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं और वर्तमान स्थिति का आकलन किया जा रहा है। संभागायुक्त कार्यालय से जारी निर्देश के अनुसार, एक समिति का गठन कर विस्तृत सर्वेक्षण किया जाएगा और ड्रोन सर्वे भी किया जाएगा।

निर्देश

इस सर्वेक्षण में मुख्य रूप से यह देखा जाएगा कि इस भूमि पर कितने परिवार निवास कर रहे हैं और उन्होंने कितने क्षेत्र में अतिक्रमण किया है। मकान कच्चे हैं या पक्के, यह भी दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा, प्रत्येक रहवासी की व्यक्तिगत जानकारी, जैसे उसका नाम, व्यवसाय, आय, परिवार के सदस्यों की संख्या, अन्य स्थानों पर भूमि या आवास की उपलब्धता आदि का भी रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जब आईटीआई की इस भूमि पर अतिक्रमण हुआ, तो प्राचार्य ने जिला प्रशासन से पत्राचार किया था।

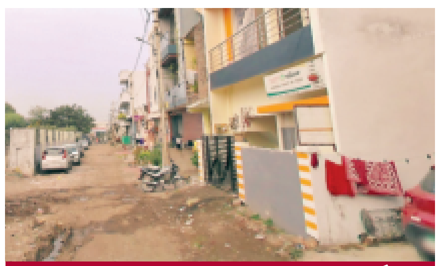

भूमाफिया की गतिविधियां और प्रशासन की लाचारी

यह कॉलोनी भूमाफिया चंद्रप्रकाश कश्यप द्वारा विकसित की गई थी। प्रशासन ने उस पर रासुका की कार्रवाई भी की थी, लेकिन इसके बावजूद वह अब अधिकारियों के साथ उठता-बैठता नजर आता है। यह आश्चर्यजनक है कि जिस व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगे थे, वह आज प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बातचीत करता दिखाई देता है। बताया जाता है कि इस अवैध कॉलोनी में कुल 139 भूखंड और आवास बने थे। जिला प्रशासन ने जांच के बाद इनमें से 91 लोगों को हटाने के आदेश भी जारी किए थे, लेकिन इतने सालों बाद भी शासन ने इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उपायुक्त राजस्व सपना लोवंशी का कहना है कि मौके की वर्तमान स्थिति काफी बदल चुकी होगी, इसलिए नए सिरे से सर्वेक्षण कर रिपोर्ट तैयार करने के लिए कलेक्टर को पत्र भेजा गया है।

पार्षद चुनाव लड़े कांग्रेस नेता पर वृद्धा से मारपीट और अभद्रता का केस

इंदौर। अ.भा. सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन के संभागीय अध्यक्ष आनंद चावरे ने गत 20 मार्च को राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र में एक वृद्ध महिला सब्जी विक्रेता के साथ मारपीट, अभद्र व्यवहार और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी और कांग्रेस के टिकट पर वार्ड प्रत्याशी का चुनाव लड़ने वाले तन्मयसिंह चौहान के खिलाफ नामजद एफआईआर होने के बावजूद अब तक गिरफ्तारी नहीं होने पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। चावरे ने बताया कि गत 20 मार्च को कांग्रेस के हारे हुए पार्षद प्रत्याशी तन्मयसिंह चौहान, उनके साथी अंकित काला, मनोज परमार एवं लखन शर्मा के खिलाफ राजेन्द्र नगर क्षेत्र में हनुमान मंदिर के पीछे वृद्ध महिला सब्जी विक्रेता के साथ मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में राजेन्द्र नगर थाने पर प्रकरण दर्ज किया गया है।

सख्त रुख : कलेक्टर ने बस ऑपरेटर्स के साथ फिर की बैठक

इधर-उधर से सवारी बैठाई या बेतरतीब बस खड़ी की तो खैर नहीं

संवाददाता ● इंदौर

जिला प्रशासन ने शहर के मध्य इलाकों से संचालित होने वाली लम्बी दूरी की बसों को शहर के बाहर बने बस स्टैंड से संचालित करने के आदेश जारी किए थे लेकिन अभी भी कई बस ऑपरेटर्स बीच सड़क पर बस रोककर सवारी बैठा रहे हैं। इसके अलावा रिंग रोड पर भी बसें खड़ी की जा रही है जिससे यातायात बाधित हो रहा है। इस तरह नियमों का उल्लंघन करने वाले बस ऑपरेटर्स पर अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में कलेक्टर आशीष सिंह ने शुक्रवार को फिर से बस ऑपरेटर्स के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि वे अपनी बसों का संचालन निर्धारित स्थान से ही करें। कहीं पर भी बस रोक कर सवारी नहीं बैठाएं। सड़कों पर अपनी बसों को पार्क नहीं करें। बसें निर्धारित स्थान पर ही पार्क करें। इधर-उधर से सवारी बैठाने और बसें पार्क करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बसों को जब्त भी किया जाएगा। बैठक में स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे बैठक में बताया गया कि उक्त बस ऑपरेटरों द्वारा अपनी बसों को गंगवाल बस स्टैण्ड, छोटी ग्वालटोली नवलखा पिपल्याहाना, रिंग रोड़ तथा तीन ईमली क्षेत्र में कहीं पर भी बसें खड़ी कर यातायात बाधित किया जाता है। इससे यातायात जाम होता है और दुर्घटना की आशंका रहती है।

बैठक

तीन दिन की मोहलत

बस ऑपरेटरों से कहा गया कि वे अपनी बसों को तीन दिन में निर्धारित स्थान से संचालित करना शुरु करें। कहीं से भी सवारी नहीं बैठाये। बसों को पार्क करने के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जायेगा। इसके लिए कलेक्टर आशीष सिंह ने संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को स्थान चिन्हित कर बसों को पार्क करने की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से कहा कि वे ऑटो रिक्शा संचालकों की भी बैठक लेकर उक्त संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देंवे बैठक में बस ऑपरेटरों से भी सुझाव लिये गये।

पवन पुत्र हनुमान जन्मोत्सव के लिए केसरी पताकाओं से सजाया रोड...

हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसे लेकर जेल रोड से लेकर नॉवेल्टी मार्केट तक केसरी पताकाओं से रोड को सजाया गया है।

शॉर्ट न्यूज

सैलून में कस्टमर की चेन चोरी सीसीटीवी फुटेज से आरोपी धराया

इंदौर। भंवरकुआं इलाके में एक सैलून पॉर्लर में चोरी की घटना सामने आई है। यहां काम करने वाले एक कर्मचारी ने कस्टमर की सोने की चेन चुरा ली। शुक्रवार सुबह इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया, जबकि पुलिस ने गुरुवार को ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक, वंश पिता विकास बजाज, निवासी शिवम मल्टी, सर्वानंद नगर, शेविंग कराने के लिए "वंश मिलन सैलून" गया था। शेविंग के बाद जब वह घर पहुंचा और नहाने लगा, तब उसे गले में चेन न होने का अहसास हुआ। चेन गायब होने पर वह दोबारा सैलून पहुंचा और वहां मौजूद कर्मचारी संतोष पिता कैलाश सेन निवासी भोलाराम उस्ताद मार्ग से पूछताछ की, लेकिन उसने किसी भी जानकारी से इनकार कर दिया। इसके बाद वंश ने भंवरकुआं थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई।

महिला से 8 लाख की धोखाधड़ी

इंदौर। क्राइम ब्रांच थाने में अन्नपूर्णा निवासी कनुप्रिया गुप्ता की शिकायत पर अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर 2024 को शाम 4 बजे उन्हें कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को फेडेक्स कोरियर सर्विस का कर्मचारी बताया। कहा कि सिंगापुर से मुंबई भेजे गए उनके नाम के पार्सल में भारी मात्रा में ड्रग्स मिली है, जिसे जब्त कर लिया गया है। इसके बाद ठगों ने कॉल को स्काइप पर मुंबई की आईडी से कनेक्ट किया और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। कॉल पर मौजूद व्यक्ति ने कैमरा बंद रखा और सिर्फ आवाज के जरिए डराने लगा। धमकाया कि अगर उन्होंने सहयोग नहीं किया तो उनकी तस्वीरों को एडिट कर वायरल कर दिया जाएगा और मीडिया में खबरें चला दी जाएंगी। डर के मारे महिला ने बैंकिंग जानकारी साझा कर दी। इसके बाद ठगों ने महिला के खाते से 16 लाख का लोन अप्रूव करवा लिया।

12वीं की छात्रा ने खाया जहर गंभीर हालत में दम तोड़ा

इंदौर। संजय नगर क्षेत्र में 18 वर्षीय युवती ने गुरुवार को जहर खाकर आत्महत्या कर ली। राजेंद्र नगर पुलिस ने बताया कि खुशी (18) पिता संजय वर्मा ने अपने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे पहले एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे एमवाय रैफर किया गया। देर रात इलाज के दौरान खुशी की मौत हो गई। बड़ी बहन रंजना ने बताया कि खुशी 12वीं में थी। परिवार की आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं थी, क्योंकि उनके पिता संजय वर्मा मजदूरी का काम करते हैं। खुशी के अलावा परिवार में उसकी छोटी बहन रंजना और एक भाई भी है। खुशी काफी समय से तनाव में थी, लेकिन परिवार को यह अंदाजा नहीं था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेगी। राजेंद्र नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अपने हुए पराए: अभ्यास वर्ग में पार्षद रूपाली पेंढरकर और महापौर के ओएसडी के बीच नोकझोंक

अपने वार्ड में महापौरजी का फोटो लगाओ तो ही होगा आपका काम

संवाददाता ● इंदौर

चर्चा

पार्षदों की पाठशाला (अभ्यास वर्ग) में बीजेपी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के सामने ही विवाद हो गया। पार्षदों को अपने वार्ड में क्या-क्या काम किया, वह बताना था और आगे की प्लानिंग पर भी चर्चा होनी थी। इसी दौरान पार्षद रूपाली पेंढ़रकर का महापौर के ओएसडी से विवाद हो गया और वह पाठशाला छोड़कर चली गईं। अभ्यास वर्ग में भाजपा के कुल 60 पार्षदों का प्रेजेंटेशन रखा गया था। इसमें सभी को अपने अभी तक किए गए काम को बताना था। इसमें उन्होंने अपने वार्ड में क्या–क्या काम किए हैं, उसमें संगठन की दृष्टि से किए गए काम कौन से हैं। आगामी समय को लेकर उनकी प्लानिंग वार्ड और संगठन को लेकर क्या है। क्या प्रस्ताव बनाकर लाए थे। अभ्यास वर्ग में संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पार्टी के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और सभी भाजपा पार्षद मौजूद थे।

रूपाली को घर जाने की थी जल्दी- अभ्यास वर्ग में वार्ड 59 की पार्षद रूपाली को भी प्रेजेंटेशन देना था। हालांकि इसके लिए सभी का प्रेजेंटेशन उनके वार्ड क्रमांक के अनुसार ही तय किया गया था। अब चूंकि रूपाली का वार्ड 59 था तो उनका नंबर काफी देर से आना था। उन्हें घर पर कुछ जरूरी काम था तो घर जाने की जल्दी हो रही थी। इस पर उन्होंने वहां अपनी बात रखी कि उनका प्रेजेंटेशन जल्दी ले लिया जाए। इस पर वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आपत्ति ली कि यह संगठन का काम है। इसमें अनुशासन महत्वपूर्ण है और सभी अपने क्रम के अनुसार ही प्रेजेंटेशन देंगे। इससे भी वे नाराज हो गईं।

घर में जरूरी काम था, इसलिए बीच में कार्यक्रम छोड़ा

सूत्रों के मुताबिक रूपाली को महापौर के ओएसडी निखिल कर्मी भी मिल गए। इस पर रूपाली ने उनसे कहा कि आप तो हमारे काम ही नहीं करते हैं। जवाब में निखिल ने कहा कि आप अपने वार्ड में होने वाले आयोजनों में महापौरजी के फोटो ही नहीं लगाते हैं। इस पर रूपाली भड़क गईं। बोलीं कि क्या फोटो नहीं लगाएंगे तो काम नहीं होंगे। इस पर छूटते ही निखिल ने भी कह दिया कि फोटो नहीं लगाओगे तो फिर आपके काम कैसे होंगे। इस पर रूपाली रूठकर चली गईं। इस संबंध में रूपाली का कहना है कि उन्हें घर में कुछ जरूरी काम था। इसलिए वे अभ्यास वर्ग के कार्यक्रम को बीच में ही छोड़कर आ गईं। साथ ही वे प्रेजेंटेशन देने के लिए वीडियो भी लेकर गई थीं, जो कि नहीं दे पाईं।

महापौर बोले- अधिकारियों की मनमानी नहीं चलेगी

एक अन्य घटनाक्रम में एमआईसी मेंबर मनीष मामा के खिलाफ भले ही अधिकारियों ने पत्र लिख दिया हो, लेकिन महापौर पुष्यमित्र भार्गव उनके साथ हो गए हैं। शुक्रवार को अपर आयुक्त अनिल बनवारिया, उपायुक्त व अन्य अधिकारियों ने निगमायुक्त शिवम वर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि एमआईसी मेंबर मनीष मामा का व्यवहार सही नहीं है और उनके विभाग में काम नहीं कर सकते हैं। उन पर उचित कार्रवाई की जाए। पहले भी वह अधिकारियों को भरी एमआईसी बैठक में धौंस दिखा चुके हैं। मनीष मामा का पक्ष लेते हुए महापौर ने कार्यशाला में स्पष्ट कर दिया कि अधिकारियों की मनमानी नहीं चलेगी। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि हर बार जनप्रतिनिधि ही गलत हों, यह संभव नहीं है। जिसने भी यह लेटर लिखा है, उनको भी विचार करना चाहिए कि उनको कोई तकलीफ थी तो कमिश्नर से या मुझसे बात करते। इस पक्ष में एमआईसी के जो भी साथी हैं, उनके द्वारा लगातार शिकायत की जा रही है कि अधिकारी काम करने से पहले जानकारी नहीं देते हैं। अगर जानकारी नहीं दी और जानकारी देने के लिए कहा है तो वह ठीक है। इसके पहले मामा ने भी कहा था कि अधिकारियों को जानकारी तो देना होगी।

रजिस्ट्रार कार्यालय में विशेष व्यवस्था

इंदौर। मार्च माह के अंतिम दिनों में दस्तावेजों का पंजीयन अधिक संख्या में होता है। इस वर्ष भी मार्च के आगामी दिनों में सामान्य दिवसों की अपेक्षा दस्तावेजों के पंजीयन में वृद्धि होने की संभावना है। इसके लिए सम्पदा (इस्टेट) 1.0 में शाम 7 बजे तक स्लॉट ओपन किए गए हैं। प्रति उप पंजीयक 86 स्लॉट उपलब्ध हैं। सम्पदा (इस्टेट) 2.0 में भी पर्याप्त संख्या में स्लॉट उपलब्ध हैं। वरिष्ठ जिला पंजीयक दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि इसे देखते हुए जिले के सभी ई-पंजीयन सेवा प्रदाताओं को आवश्यक व्यवस्था करने को कहा गया है। कहा गया है कि सम्पदा खाते और वॉलेट में पर्याप्त बैलेंस पहले से लें और उसे मेंटेन करें ताकि अंतिम समय पर क्रेडिट लिमिट नहीं बनने या लिमिट अटकने पर परेशानी से बचा जा सके।

शहर में स्मार्ट मीटर स्थापना का आंकड़ा पांच लाख के भी पार

इंदौर। बिजली कंपनी केंद्र व राज्य शासन की प्राथमिकता वाली स्मार्ट मीटर परियोजना का अत्यंत तेजी से प्रभावी रूप से संचालन कर रही हैं। शुक्रवार को शहर में स्मार्ट मीटर स्थापना का आंकड़ा पांच लाख पार कर गया। इस उपलब्धि पर ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी हैं। प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि स्मार्ट मीटर सेल के साथ ही जिलों की टीम स्मार्ट मीटर परियोजना का बहुत ही गंभीरता से संचालन कर गुणवत्ता से मीटर स्थापना, सटीक रीडिंग, डाटा कलेक्शन, त्रुटिरहित बिलिंग इत्यादि कार्य कर रही हैं। उपभोक्ता सेवाओं में वृद्धि करते हुए स्मार्ट मीटरीकरण तेजी से जारी हैं। इसी के तहत इंदौर शहर में पांच लाख पांच सौ स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। यह संख्या प्रदेश के किसी भी शहर में सर्वाधिक हैं।

आवेदन प्रक्रिया https://pmintership-mca-gov.in/login पर ऑनलाइन उपलब्ध

पीएम इंटर्नशिप योजना में रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए तीन दिन बाकी

संवाददाता ● इंदौर

अवसर

भारत सरकार ने शहरी गरीब एवं अन्य शिक्षित युवाओं को रोजगार एवं व्यवसाय के नए अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की शुरुआत की है। यह योजना खासतौर पर पीएम स्वनिधि एवं एनयूएलएम योजनाओं के पात्र लाभार्थियों एवं अन्य योग्य शहरी युवाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ प्रभारी मनीष शर्मा मामा ने बताया कि इस योजना के तहत पात्र उम्मीदवार 31 मार्च तक अपना पंजीकरण कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया https://pmintership-mca-gov.in/login पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

योजना के ये मिलेंगे लाभ

1. आर्थिक सहायता : इंटर्नशिप जॉइन करने पर सरकार द्वारा 6,000/- की राशि डी.बी.टी. (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इंटर्नशिप के दौरान 5,000/- प्रति माह दिए जाएंगे, जो 12 महीने तक मिलेंगे।
2. प्रमाण-पत्र : इंटर्नशिप पूर्ण करने के बाद कम्पनी द्वारा अधिकृत प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा, जो भविष्य में रोजगार पाने में सहायक होगा।
3. बीमा सुरक्षा : उम्मीदवारों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा। बीमा प्रीमियम की पूरी राशि सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

ये लोग नहीं होंगे पात्र - आई.आई.टी., आई.आई.एम., आई.आई.आई.टी., सी.ए., सी.एस., एम.बी.बी.एस., बी.डी.एस., एम.बी.ए. या किसी भी मास्टर डिग्री या उच्चतर डिग्री धारक आवेदन नहीं कर सकते।

ये रहेगी पात्रता

केवल भारतीय नागरिक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की आयु 21 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए। वे युवा जो पूर्णकालिक रोजगार या शिक्षा में संलग्न नहीं हैं, आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन या दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थी भी इस योजना के लिए पात्र होंगे। हाईस्कूल (10वीं), हायर सेकेंडरी (12वीं), आई.टी.आई., पॉलीटेकनिक डिप्लोमा, बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम., बी.सी.ए., बी.बी.ए., बी.फार्मा आदि डिग्री धारक आवेदन कर सकते हैं।

वायु गुणवत्ता सुधार को लेकर केंद्रीय अपर सचिव नरेश पाल गंगवार और अतिरिक्त निदेशक एन. सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में बैठक

वाहन चालकों को CNG/EV अपनाने के लिए प्रेरित करें

संवाददाता ● इंदौर

बैठक

नगर निगम द्वारा वायु गुणवत्ता सुधार हेतु किये जा रहे कार्यों की भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अपर सचिव नरेश पाल गंगवार व अतिरिक्त निदेशक एन. सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में सिटी बस ऑफिस में बैठक बुलाई गई। इसका मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों की प्रगति का आकलन करना और उन्हें और अधिक प्रभावी बनाना था।

बैठक के दौरान अपर सचिव नरेश पाल गंगवार ने शहर में चलने वाले सार्वजनिक और मालवाहक वाहनों को स्वच्छ ईंधन (सीएनजी/ईवी) अपनाने हेतु प्रेरित करने पर जोर दिया। साथ ही मैकेनाइज्ड रोड़ स्वीपिंग प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, जिससे शहर को पूर्णतः रोड डस्ट से मुक्त किया जा सके। परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा शहर में ए.टी.एस. (ऑटोमेटेड ट्रैफिक सिस्टम) व आर.वी.एस.एफ. (रीजनल व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी) की स्थापना और कार्यप्रणाली पर भी जानकारी साझा की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय परिवहन विभाग, पुलिस, शहर कार्यान्वयन एवं निगरानी समिति तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। निगम आयुक्त द्वारा शहर में किए जा रहे प्रयासों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया गया।

इंदौर के कार्यों की सराहना – अपर सचिव गंगवार ने नगर निगम के कार्यों की सराहना करते हुए इंदौर को लगातार सात वर्षों से स्वच्छता में देश का नं. 1 शहर बनने की बधाई दी। उन्होंने वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्युआई) को 60 से नीचे लाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई, जिससे इंदौर न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आदर्श शहर के रूप में स्थापित हो सके।

इंदौर के कार्यों की सराहना

अपर सचिव गंगवार ने नगर निगम के कार्यों की सराहना करते हुए इंदौर को लगातार सात वर्षों से स्वच्छता में देश का नं. 1 शहर बनने की बधाई दी। उन्होंने वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्युआई) को 60 से नीचे लाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई, जिससे इंदौर न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आदर्श शहर के रुप में स्थापित हो सके।

ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयों का दौरा - समीक्षा बैठक के बाद नरेश पाल गंगवार व अतिरिक्त निदेशक एन. सुब्रमण्यम, आयुक्त शिवम वर्मा व अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा सिटी ऑफिस स्थित एआईसीसीसी कमांड सेंटर, राजशाही स्थित जीटीएस के साथ ही नगर निगम की ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयों का दौरा किया। उन्होंने उन्नत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को देखा, जिसके माध्यम से कचरे के प्रभावी पृथक्करण, प्रसंस्करण और निपटान की प्रक्रिया से वायु गुणवत्ता में सुधार किया जा रहा है।

हमारी अभिव्यक्ति आखिर कितनी आजाद हो?

जमाना बार-बार फिर से बदलने लग गई है। कि जैसे आसमां के रंग बदलते हैं। कि जैसे रेल, पटरियां बदलती है। कि जैसे गांव की लड़की सुबह जागे और जबरदस्ती ब्याह दी जाए। उसी तरह बदलने लग गई है लफ्जों की चमड़ी। ये लफ्ज कभी-कभी हाथों में तलवार लिए बैठे रहते हैं। किसी को यह सब देखना अच्छा लगता है। किसी को नहीं। अभिव्यक्ति की आजादी होनी चाहिए, लेकिन कितनी? किस हद तक? किस-किस विषय पर? किस-किस मुद्दे पर? दरअसल, इसकी कोई एक सीमा या परिभाषा गढ़ी नहीं जा सकती। जिस विषय, मुद्दे या व्यक्ति की जितनी सहनशक्ति हो सकती है, यह उतनी ही आजाद है या होनी चाहिए।

बोलने वाले अक्सर इस परिभाषा या सीमा का जब ध्यान नहीं रखते, जिसके खिलाफ बोला जाता है या हास्य किया जाता है, वह जब अपनी सहनशक्ति को विशाल नहीं रखता तो झगड़े होते हैं। सही है अभिव्यक्ति पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए, लेकिन किसी के निजी जीवन या उसकी निजता को आपकी भाषा किस हद तक प्रभावित कर रही है, यह सवाल हमेशा बना रहता है। क्योंकि अभिव्यक्ति कोई परिंदा नहीं है जिसके लिए कोई सीमा हो नहीं हो।

कोई सरहद उसे रोके ही नहीं! जहां तक नेताओं के खिलाफ हास्य या व्यंग्य की बात है, नेहरू जी, अटल जी और मनमोहन सिंह पर खूब हास्य बने, व्यंग्य भी लिखे गए लेकिन उन्होंने उन सब को घोर सकारात्मक रूप में लिया। अगर कुछ अच्छा लगा तो सुधार भी किए गए। लेकिन आज की राजनीति वैसी नहीं रही। जिस तरह राजनीति का स्तर नीचे आया है, नेताओं की सहनशक्ति भी कम हुई है। कहा यह भी जा सकता है कि कुछ लोग आजकल सस्ती

> कोई सरहद उसे रोके ही नहीं! जहां तक नेताओं के खिलाफ हास्य या व्यंग्य की बात है, नेहरू जी, अटल जी और मनमोहन सिंह पर खूब हास्य बने, व्यंग्य भी लिखे गए लेकिन उन्होंने उन सब को घोर सकारात्मक रूप में लिया। अगर कुछ अच्छा लगा तो सुधार भी किए गए। लेकिन आज की राजनीति वैसी नहीं रही। जिस तरह राजनीति का स्तर नीचे आया है, नेताओं की सहनशक्ति भी कम हुई है। कहा यह भी जा सकता है कि कुछ लोग आजकल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए भी राजनेताओं या बड़े लोगों पर बोलते रहते हैं। उस बात का प्रभाव या कुप्रभाव जानते हुए भी।

लोकप्रियता हासिल करने के लिए भी राजनेताओं या बड़े लोगों पर बोलते रहते हैं। उस बात का प्रभाव या कुप्रभाव जानते हुए भी कुल मिलाकर ऐसे मामलों में दोनों पक्षों को सम्भलना होगा। क्योंकि धैर्य के साथ किसी बात पर विचार करने, उसे समझने या समझ-बूझकर बोलने का समय किसी के पास नहीं है। सबसे बड़ी विडम्बना है समय की कमी। धीरज की कमी। निश्चित ही एकनाथ शिंदे पर व्यंग्य गीत लिखने से पहले कुणाल कामरा उसका परिणाम जानते होंगे लेकिन फिर भी उन्होंने लिखा। अब इधर-उधर भागते फिर रहे हैं। व्यंग्य या हास्य एक ऐसी विधा है जो कितना ही कड़ा और पैना हो, लेकिन उसमें साहित्य की स्वस्थ परम्परा का ध्यान जरूर रखा जाता है। व्यवस्था पर व्यंग्य करना अलग बात है और किसी पर निजी रूप से व्यंग्य करना अलग। लेकिन जहां तक सत्ता या राजनीति का सवाल है, उसे ऐसा भी नहीं करना चाहिए कि सबके होंठ बंद हो जाएं। कि जैसे जेल के दरवाजे हों!

लोगों के हाल ऐसे भी नहीं होने चाहिए, जैसे दांतों के बीच जीभ के होते हैं। हमेशा बचकर। हटकर। कभी लहूलुहान होती हुई। कभी कटती-जलती हुई। वो जमाने बीत गए जब हवाएं हाकिमों की मुट्ठी में कैद रहती होंगी। अब सब आजाद हैं। कोई कुछ भी बोल सकता है सिवाय किसी पर निजी हमला करने के। चाहे वो हमला सीधा हो या जुबानी ही क्यों न हो! मर्यादा हर तरफ जरूरी है और इस मर्यादा का ध्यान हर किसी को रखना ही चाहिए। चाहे वो कोई नेता या राजनेता हो! या कोई हास्य कलाकार या व्यंग्यकार! अभिव्यक्ति पर पाबंदी नहीं होनी चाहिए, लेकिन किसी के निजी जीवन या उसकी निजता को आपकी भाषा किस हद तक प्रभावित कर रही है, यह सवाल हमेशा बना रहता है। अभिव्यक्ति कोई परिंदा नहीं है कि कोई सरहद उसे रोके ही नहीं!

संत वचन

एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरुआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा। फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। इन सभी में संदर्भ को इस तरह से समझा जाना चाहिए

एआई एक अच्छा मौका है हम इसे गंवा नहीं सकते

पेरिस में हुई एआई एक्शन समिट में भाग लेने का मुझे भी मौका मिला था। वहां पर कई चर्चाओं में एआई को सामाजिक रूप से अधिक लाभकारी दिशा में ले जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। हमें यह पूछकर ही शुरुआत करनी चाहिए कि मानव समाज में क्या मूल्यवान है और क्या आगे बढ़ाने लायक है। जो चीज हम मनुष्यों को इतना खास बनाती है, वह है बड़ी और छोटी समस्याओं के समाधान तैयार करने, नई चीजों को आजमाने और इनोवेटिव प्रयासों में अर्थ खोजने की हमारी क्षमता। हमारे पास न केवल ज्ञान के निर्माण की क्षमता है, बल्कि हम उसे साझा करना भी जानते हैं। हालांकि मानव यात्रा हमेशा ही सहज नहीं रही है, हमारी क्षमताएं, मशीनें और ज्ञान हमें नुकसान भी पहुंचाते हैं, इसके बावजूद निरंतर पूछताछ और सूचनाओं का आदान-प्रदान हमारे लिए जरूरी है।

एडिट.नोट

विगत दो लाख से भी ज्यादा सालों से तकनीक हमारी कहानी के केंद्र में रही है। पत्थर के औजारों से लेकर आज तक, हमने अपनी तमाम चुनौतियों के समाधान खोजे हैं। मौखिक कहानी सुनाने और लेखन के आविष्कार से लेकर प्रिंटिंग प्रेस और इंटरनेट तक, हमने ज्ञान साझा करने के नए और बेहतर तरीके विकसित किए हैं। पिछले 200 सालों में हमने यह भी पता लगा लिया है कि बेहतर और ज्यादा स्वतंत्र रूप से प्रयोग कैसे करें। वैज्ञानिक प्रक्रिया ने हमें स्थापित तथ्य दिए हैं, जिससे प्रत्येक पीढ़ी अपने पूर्ववर्तियों की प्रगति पर और ऊंची इमारत का निर्माण कर सकी है। इसने पिछली दो शताब्दियों में अधिकांश देशों में शानदार विकास को भी आधार बनाया। जहां आर्थिक विकास ने देशों के बीच और उनके भीतर भारी विषमता पैदा की है, वहीं लगभग हर जगह लोग आज 18वीं सदी की तुलना में ज्यादा स्वस्थ और समृद्ध हैं। एआई मानव कौशल, प्रतिभा और ज्ञान को पूरक बनाकर हमारे निर्णय लेने, प्रयोग करने और उपयोगी ज्ञान के अनुप्रयोगों में सुधार करके इसे मजबूत कर सकता है।

कुछ लोग सवाल कर सकते हैं कि क्या हमें इस उद्देश्य के लिए एआई की आवश्यकता है। आखिरकार, हम पहले से ही सूचना की प्रचुरता के युग में रह रहे हैं। हर वह चीज जो कोई चाहता है- और बहुत कुछ ऐसा भी जो कोई नहीं चाहता- आज इंटरनेट के माध्यम से सुलभ है। लेकिन उपयोगी जानकारी आज भी दुर्लभ है। किसी विशेष संदर्भ में, विशेष समय पर, एक खास समस्या हल करने के लिए आपको जो चाहिए, वो अगर आपको मिल जाए तो मेरी ओर से आपको मुबारकबाद। यह प्रासंगिक व्यावहारिक ज्ञान ही है- न कि केवल जानकारी- जो कि कारखाने के श्रमिकों को अधिक उत्पादक बनाती है; इलेक्ट्रीशियन को नए उपकरणों को संभालने और अधिक परिष्कृत कार्य करने में सक्षम बनाती है; नर्सों को स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली भूमिका निभाने में मदद करती है; और सभी कौशल और पृष्ठभूमि के श्रमिकों को नई और अधिक उत्पादक भूमिकाएं निभाने की सुविधा देती है। एआई को अगर ठीक से विकसित और उपयोग किया जाए, तो वह वास्तव में हमें बेहतर बना सकता है। वह अधिक समझ के साथ सोचने और कार्य करने की हमारी क्षमता का भी विस्तार कर सकता है। लेकिन वह हमारे सामने एक गंभीर खतरा भी पैदा करता है। संकट केवल यही नहीं है कि सुपर-इंटेलिजेंट मशीनें किसी दिन हम पर राज करने लगेंगी; बल्कि यह है कि एआई हमारी सीखने, प्रयोग करने, ज्ञान को साझा करने की क्षमता को कमजोर कर देगा। अगर यह लगातार कार्यों और नौकरियों को खत्म करता है; सूचना को अत्यधिक केंद्रीकृत करता है; परीक्षण करने व सीखने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करता है।

शेखर गुप्ता - लेखक

वो 19 महीने जिन्होंने हमारे वर्तमान को गढ़ा

देश में 19 महीनों के दो उथलपुथल भरे कालखंड ऐसे रहे हैं, जिन्होंने तीन पीढ़ियों के हमारे अतीत को परिभाषित किया, हमारे वर्तमान को आकार दिया, और वे हमारे भविष्य को भी अपने परस्पर विरोधी तरीकों से प्रभावित करते रहेंगे। इनमें से एक कालखंड 25 जून 1975 से 18 जनवरी 1977 का इमरजेंसी का दौर था।

अनुमान लगाएं कि दूसरा कालखंड कौन-सा होगा। इसके लिए हमारे प्रधानमंत्रियों के कार्यकालों पर नजर डालिए- नेहरू, इंदिरा, वाजपेयी, मोदी, वीपी सिंह, देवेगौड़ा, गुजराल, चरण सिंह में से किसी के दौर पर नहीं। मैं सुझाव दूंगा कि आईएएस से लेखक बने संजीव चोपड़ा ने लाल बहादुर शास्त्री की जो जीवनी लिखी है उसे पढ़ डालिए। द ग्रेट कंसीलिएटर : लाल बहादुर शास्त्री एंड द ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ इंडिया नाम की यह जीवनी हाल में ही प्रकाशित हुई है।

नेहरू की मृत्यु के बाद 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966 तक ताशकंद में अपनी दुःखद मृत्यु तक शास्त्री 19 महीने प्रधानमंत्री रहे। आप सवाल कर सकते हैं कि मैं इन 19 महीनों को भारत के राजनीतिक विकास के लिए इमरजेंसी के 19 महीनों जैसा ही मगर उलटे रूप में निर्णायक क्यों मानता हूं?

इसके लिए याद कीजिए, जब भारत को एक युद्ध (सितंबर 1965) लड़ना पड़ा था, स्थानीय स्तर पर टैंकों से टक्कर (कच्छ, अप्रैल-जुलाई 1965) लेनी पड़ी, खाद्य संकट झेलना पड़ा, कठिन राजनीतिक परिवर्तन से गुजरना पड़ा, और हमारे इतिहास के इतने छोटे किसी और दौर में इतने ज्यादा संस्थानों का निर्माण कभी नहीं हुआ, जितना इन 19 महीनों में हुआ। शास्त्री के कार्यकाल की सबसे प्रमुख बात बेशक 22 दिनों का युद्ध था, जिसे उन्होंने भारी प्रतिकूलताओं के बीच लड़ा और जिसमें सैद्धांतिक जीत हासिल की, हालांकि सैन्य इतिहास लिखने वाले इसे अक्सर गतिरोध कहते हैं। लेकिन हर मोर्चे पर बेहतर हथियारों और तीन गुना ज्यादा हौसले से लैस ज्यादा ताकतवर दुश्मन से लड़कर गतिरोध हासिल करना जीत से कम नहीं होता।

शास्त्री की विरासत पर ताशकंद में हुए शांति समझौते, और उनकी उस त्रासद यात्रा का साया अनुचित रूप से हावी हो जाता है। उन्होंने जो युद्ध लड़ा वही उनका सच्चा योगदान है। फील्ड मार्शल अय्यूब खान और उनके छुटभैये जुल्फिकार अली भुट्टो को 1962 की लड़ाई में शिकस्त से हताश और उथल-पुथल से गुजर रही भारतीय सेना काफी कमजोर नजर आई।

1963 में श्रीनगर में हुए हजरतबल कांड से भी उनका हौसला बढ़ा। नेहरू के बाद शास्त्री को सत्ता सौंपे जाने के बीच के दौर को उन्होंने राजनीतिक अस्थिरता का दौर मान लिया, और भारत की सैन्य तैयारी तथा हौसले का जायजा लेने के लिए उन्होंने कच्छ के रण में हमले किए। चोपड़ा ने दस्तावेजों के हवाले से लिखा है कि पाकिस्तान ने कच्छ के रण में पैटन टैंकों का इस्तेमाल करके अपने अमेरिकी आकाओं को टटोला। उन दोनों के बीच समझौता हुआ था कि इन टैंकों का भारत के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। लेकिन अमेरिका ने जब महज कुछ उपदेश झाड़ने के सिवा कुछ नहीं किया तो पाकिस्तान को लगा कि वह कश्मीर में बड़ी चाल चल सकता है।

नतीजतन, दो महीने बाद ही ह्यऑपरेशन जिब्राल्टरह्व हुआ और 10,000 से ज्यादा हथियारबंद घुसपैठिए कश्मीर में भेज दिए गए। योजना यह थी कि ये गिरोह भारतीय सेना को घाटी में जब ध्वस्त कर देंगे तब ह्यऑपरेशन ग्रैंड स्लैमह्व के तहत निर्णायक हमले के लिए जम्मू के अखनूर सेक्टर में टैंकों से धावा बोला जाएगा। लेकिन उन्होंने मुकाबले में खड़े नेता के हौसले का अंदाजा लगाने में भूल कर दी। प्रायः फौजी जनरल, खासकर पाकिस्तानी जनरल आम जनता को तुच्छ मानते हैं। शास्त्री की कद-काठी और उनकी शालीनता के कारण उनका मुगालता और मजबूत ही हुआ। लेकिन पांच फीट दो इंच वाली उस काया में अविश्वसनीय रूप से मजबूत संकल्प वाला देशभक्त मौजूद था। शास्त्री ने 3 सितंबर को मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई और पाकिस्तान को जवाब देने की व्यापक योजना बना ली गई। तय किया कि पाकिस्तान की आक्रमण शक्ति को ध्वस्त किया जाए, और सिर्फ जरूरी इलाके पर कब्जा किया जाए, जिसे युद्ध जीतने के बाद लौटा दिया जाए।

बिजनेस

मकानों की बेतहाशा बढ़ती कीमतों के बीच इस साल घट गई बिक्री

नई दिल्ली। बीते कुछ साल में मकानों की कीमत आसमान के छूने को बेताब है। इधर, जियो-पोलिटिकल टेंशन और शेयर बाजार में गिरावट के बीच निवेशकों का सेंटिमेंट बिगड़ गया है। तभी तो इस साल की पहली तिमाही के दौरान हाउसिंग रियल एस्टेट का बाजार सुस्त हो गया है। तभी तो इस दौरान मकानों की बिक्री में 28 फीसदी की गिरावट आई है।रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनारॉक (अल्लनेंड्डू) का कहना है कि आवासीय संपत्तियों की आसमान छूती कीमतों और भू-राजनीतिक तनावों के कारण दा, 2025 में भारतीय आवास बाजार की तेजी धीमी हो गई है। उसकी वजह से घरों की बिक्री में कमी आ रही है। इसकी एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी से मार्च के दौरान करीब 93,280 यूनिट्स की बिक्री हुई है। पिछले साल इसी समय में 1,30,170 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। इस हिसाब से इस साल 28% की गिरावट दिख रही है।

दिल्ली-ठऋफ में बिक्री 20% तक घटी है। यहां इस साल पहली तिमाही के दौरान करीब 12,520 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि पिछले साल इसी दौरान 15,650 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। मुंबई महानगर क्षेत्र (टटफ) में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 26% तक गिरी है। वहां इस साल करीब 31,610 यूनिट्स की बिक्री हुई है, जबकि पिछले साल 42,920 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।इस अवधि के दौरान बेंगलुरु में मकानों की बिक्री 16% तक गिरी है। वहां इस साल करीब 15,000 यूनिट्स की बिक्री होने की संभावना है, जबकि पिछले साल 17,790 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। पुणे में बिक्री 30% तक गिर सकती है। यहां 16,100 यूनिट्स की बिक्री होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल 22,990 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। हैदराबाद में घरों की बिक्री 49% तक गिर सकती है। यहां 10,100 यूनिट्स की बिक्री होने की संभावना है, जबकि पिछले साल 19,660 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। चेन्नई में बिक्री 26% तक गिर सकती है। यहां 4,050 यूनिट्स की बिक्री होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल 5,510 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। कोलकाता में आवासीय संपत्तियों की बिक्री इस साल जनवरी-मार्च में 31% तक कम हो सकती है। यहां 3,900 यूनिट्स की बिक्री होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल इसी समय में 5,650 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी का कहना है कि भारत का समग्र आर्थिक परिदृश्य इस समय सकारात्मक बना हुआ है। ऋऊढ विकास दर वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक रहने और मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में रहने का अनुमान है। लेकिन, तब भी मकानों की बिक्री में गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा हालांकि, मकानों की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनावों जैसे चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और एक कमजोर वैश्विक अर्थव्यवस्था ने भारत के आवासीय बाजार की गतिविधि पर असर डाला है। इन कारकों का असर दा 2025 में आवास बाजार पर पड़ा है।

राज-काज

कभी एलन मस्क ने उड़ाया था इस गाड़ी का मजाक

नई दिल्ली। चीन की ऑटो कंपनी बीवाईडी ने दुनिया के ऑटो मार्केट में तहलका मचा रखा है। शेनजेन की इस कंपनी ने पिछले साल बिक्री के मामले में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला को पीछे छोड़ दिया। पिछले हफ्ते कंपनी ने ऐसी बैटरी लॉन्च की जो पांच मिनट चार्ज करने पर 250 मील की रेंज दे सकती है। इसी तरह पिछले महीने उसने एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम ऋङ्गहिर एटी लॉन्च किया जो टेस्ला के फुल सेल्फ-ड्राइविंग फीचर के मुकाबले काफी सस्ता है। यानी यह कंपनी हर मोर्चे पर टेस्ला को टक्कर दे रही है। एक दौर ऐसा भी था जब मस्क इस चीनी कंपनी को कोई भाव देने को तैयार नहीं थे और आज यह सेल्स, इनोवेशन और कीमत के मामले में टेस्ला पर भारी पड़ती दिख रही है। बीवाईडी के उभार से दुनियाभर की कंपनियों की नींद उड़ी हुई है।

70 लाख से 4 लाख... क्रिप्टो के क्रेज में आंख मूंदकर लगाया पैसा

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में भारत में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश काफी बढ़ा है। हालांकि, इसमें कई कानूनी अड़चनें और टैक्स भी ज्यादा हैं। चेनएनालिसिस के ग्लोबल क्रिप्टो एडॉप्शन इंडेक्स के अनुसार, भारत लगातार दूसरे साल क्रिप्टोकरेंसी अपनाने के मामले में दुनिया के टॉप देशों में शामिल है। युवाओं की वजह से यह ट्रेंड बढ़ रहा है। सीए नितिन कौशिक ने क्रिप्टो में आंख मूंदकर पैसा लगाने को लेकर चेतावनी दी है। इसके लिए उन्होंने एक निवेशक की आपबीती शेयर की है। उसने क्रिप्टो में भारी नुकसान उठाया।सीए नितिन कौशिक ने बताया कि कुछ निवेशक बिना सोचे-समझे अनियंत्रित क्रिप्टो (अनरेगुलेटेड क्रिप्टो) में निवेश कर नुकसान उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप नुकसान उठाने के लिए तैयार नहीं हैं तो आपको निवेश नहीं करना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक चौंकाने वाली कहानी शेयर की। उन्होंने बताया कि एक स्टार्टअप के मालिक जिनकी महीने की इनकम 5 लाख रुपये है, उन्होंने पिछले साल 70 लाख रुपये अनरेगुलेटेड क्रिप्टो प्रोजेक्ट्स में निवेश किए। अब उनके पूरे पोर्टफोलियो की कीमत सिर्फ 4 लाख रुपये है। नितिन कौशिक ने कहा, 'अगर आप नुकसान उठाने के लिए तैयार नहीं हैं तो आपको निवेश नहीं करना चाहिए।'2025 में क्रिप्टोकरेंसी में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है, लेकिन इसमें संभावनाएं भी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्रिप्टो के समर्थन में आने से डिजिटल एसेट्स और क्रिप्टो से जुड़े स्टॉक्स में तेजी आई है। कुछ रुकावटों के बावजूद बाजार में माहौल सकारात्मक बना हुआ है।वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम इस सर्वे में भारत, अमेरिका, चीन और ब्रिटेन जैसे 14 देशों के 13,000 से ज्यादा लोगों से जानकारी ली गई। रिपोर्ट के अनुसार, 44 साल से कम उम्र के आधे से ज्यादा निवेशक अपने पोर्टफोलियो का कम से कम एक तिहाई हिस्सा क्रिप्टोकरेंसी में लगा रहे हैं। इससे पता चलता है कि क्रिप्टोकरेंसी को अब एक मुख्यधारा की संपत्ति के रूप में पहचाना जा रहा है।भारत में क्रिप्टो निवेश को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स (डीईए) के सचिव अजय सेठ ने कहा है कि सरकार स्टेबलकॉइन्स और क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स पर बदलते वैश्विक नियमों को देखते हुए अपने क्रिप्टोकरेंसी फ्रेमवर्क की समीक्षा करेगी।कॉइनबेस ग्लोबल इंक. ने हाल ही में भारत की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट के साथ रजिस्ट्रेशन कराया है। इससे वह भारत में कानूनी रूप से ट्रेडिंग सेवाएं दे पाएगी।

सरकार अगले 6 महीने में रुपए 8 लाख करोड़ कर्ज लेगी

ये कुल सालाना कर्ज का 54%; सरकारी आय और खर्च का अंतर कम होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में बाजार से 8 लाख करोड़ का कर्ज लेगी। ये पूरे साल के टारगेट (14.82 लाख करोड़ रुपए) का 54% है। सरकार ने ये कर्ज लेने का फैसला ऋ26 में ऋऊढ के 4.4% फिस्कल डेफिसिट (वित्तीय घाटे) के टारगेट को पूरा करने के लिए लिया है। इससे सरकार को खर्च और आय का अंतर को कम करने में मदद मिलेगी। 10,000 करोड़ के ग्रीन बॉन्ड जारी करेगी सरकार बाजार से पैसे जुटाने के लिए सरकार 10,000 करोड़ के ग्रीन बॉन्ड जारी करेगी। इसके साथ ही ऋ26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में हर हफ्ते 19,000 करोड़ के ट्रेजरी बिल जारी किए जाएंगे। इन बॉन्ड्स के जरिए बाजार से पैसे जुटाएगी सरकार सरकार 3, 5, 7, 10, 15, 30, 40 और 50 साल की मैच्योरिटी वाले गवर्नमेंट सिक्योरिटीज बॉन्ड जारी करेगी। कुल उधारी में 26% से ज्यादा रकम 10-वर्षीय बॉन्ड्स के जरिए जुटाई जाएगी। पुराने बॉन्ड्स की रिडेंप्शन टेंशन कम करने के लिए स्विचिंग ऑपरेशन और सिक्योरिटी बायबैक किए जाएंगे।25 मार्च को लोकसभा से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने फाइनेंस बिल पेश किया था। लोकसभा में उन्होंने कहा वित्त वर्ष 2026 में राजकोषीय घाटा 4.4% रहने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में कुल 50.65 लाख करोड़ रुपए का एक्सपेंडिचर प्रस्तावित है, जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 7.4% अधिक है। अगले वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित कैपिटल एक्सपेंडिचर 11.22 लाख करोड़ रुपए है और इफेक्टिव कैपिटल एक्सपेंडिचर 15.48 लाख करोड़ रुपए है। इसमें 42.70 लाख करोड़ रुपए का ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू कलेक्शन और 14.01 लाख करोड़ रुपए का सकल उधार प्रस्तावित है।लोकसभा से फाइनेंस बिल 25 मार्च को 35 संशोधनों के साथ पास हो गया। इसमें ऑनलाइन एडवर्टाइजमेंट पर 6% डिजिटल टैक्स को खत्म करने जैसे संशोधन शामिल हैं।अब ये बिल राज्य सभा में जाएगा।

उत्तराखंड के चमोल जिले के माणा गांव के पास एक शिविर में हुए हिमस्खलन के बाद बचाव कार्य के दौरान भारतीय सेना के जवान।

मुख्यमंत्री ने 11 जोड़ों को प्रतीकात्मक रूप से कन्यादान राशि के चेक किए भेंट

2 हजार बहनों के सामूहिक विवाह में शामिल होना बड़ा अनुभव : सीएम

संवाददाता ● भोपाल/ झाबुआ

समारोह

मुख्यमंत्री ने कहा है कि झाबुआ में एक साथ लगभग दो हजार जोड़ों के सामूहिक विवाह में शामिल होने का आनंद अदभुत और अविस्मरणीय है। उन्होंने नव-विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए सभी के मंगलमय और सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि मनुष्य जीवन के 16 संस्कारों में से पाणिग्रहण संस्कार गृहस्थ जीवन में प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण संस्कार है। इसमें 7 फेरों से 7 वचनों को पूरा कर सात जन्मों तक बंधन में बंधते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/ निकाह सम्मेलन में शामिल जोड़ों को विवाह और निकाह की बधाई देते हुए सभी के जीवन में खुशियों की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ। यादव झाबुआ में सामुहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने सम्मेलन में 11 जोड़ों को प्रतीकात्मक रूप से 49-49 हजार की राशि के चेक भी प्रदान किये। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने झाबुआ जिले के निवासियों को सौगात देते हुए कहा कि राणापुर क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई की समस्या के निराकरण के लिए भांडाखेड़ा बैराज, नागन खेड़ी, गलती, छायण, झालरवा, बुदाशाला और कल्लीपुरा में बैराज बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध झाबुआ में मेडिकल कॉलेज भी बनाया जायेगा। झाबुआ के विकास के लिये सभी कार्य किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विकास में सभी वर्गों का विकास समाहित है। किसी भी वर्ग को विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहने दिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप सबका साथ लेकर सबका विकास किया जायेगा, जिसमें सबके प्रयास और सबका विश्वास शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के सशक्तिकरण के लिये राशि प्रदान की जा रही है। किसानों का गेहूँ 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से उपार्जित किया जा रहा है। धान उत्पादक किसानों को प्रति हेक्टेयर 4 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि के रूप में दिये जा रहे हैं। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कूटी और लेपटॉप प्रदाय किये जा रहे हैं। लाड़ली बहनों को प्रतिमाह मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि प्रदान की जा रही है। प्रदेश में बेटियों को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि झाबुआ में आयोजित लगभग 2000 जोड़ों के सामूहिक विवाह में सम्मिलित होकर मन आनंदित हो गया हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि जिले के लिए सौभाग्य है कि इतना विशाल विवाह समारोह आयोजित हुआ और जिसमें स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आकर बहनों को आशीर्वाद प्रदान किया।

पारंपरिक रूप से स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ। यादव का मंत्री सुश्री भूरिया ने जनजातीय परम्परा के अनुरुप जनजातीय जैकेट "झूलड़ी" पहनाकर, साफा बांधकर एवं तीर कमान भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कन्यापूजन किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ। यादव विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। महिला एवं बाल विकास विभाग कुपोषण मुक्त झाबुआ के तहत मोटी आई कैम्पैन, मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन गलसन माला, गुड्डा गुड्डी, तीर कमान, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग के अंतर्गत जिले में उत्पादित टमाटर एवं टमाटर से बने उत्पाद जैसे टमाटर पाउडर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग श्री अन्न फसल एवं जैविक उत्पाद, नगर पालिका परिषद झाबुआ द्वारा वेस्ट टु वेल्थ प्रोजेक्ट अंतर्गत तैयार किये गये डस्टबिन एवं गमले प्रदर्शित किये गये।

शॉट न्यूज

मुस्लिम कैदी ईद पर नहीं मिल सकेंगे

भोपाल। सेंट्रल जेल भोपाल में बंद मुस्लिम कैदियों को इस बार ईद पर अपने परिजनों से खुली मुलाकात का मौका नहीं मिलेगा। जेल प्रबंधन ने इस संबंध में फैसला लेते हुए जेल परिसर में नोटिस चस्पा कर दिए हैं। प्रबंधन ने इसका कारण जेल के अंदर चल रहे निर्माण कार्य को बताया है। इस फैसले से कैदियों और उनके परिजनों में नाराजगी देखी जा रही है, क्योंकि हर साल राखी, ईद और दीपावली जैसे त्योहारों पर खुली मुलाकात की परंपरा रही है। सेंट्रल जेल में वर्तमान में 3500 से अधिक कैदी बंद हैं। अधीक्षक राकेश भांगरे ने कहा, 'जेल में निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके चलते इस बार ईद पर खुली मुलाकात संभव नहीं होगी। हालांकि, सामान्य मुलाकात की व्यवस्था जारी रहेगी।' इस फैसले के खिलाफ भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने जेल डीजी को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है।

वारंटियों को पकड़ने गई पुलिस पर पथराव

सागर-भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर से एक बड़ी खबर है। यहां वारंटियों को पकड़ने के लिए गई पुलिस टीम पर हमला हुआ है। खुद वारंटियों और उनके परिजनों ने मिलकर पुलिस टीम पर पथराव किया है। इस घटना में दो पुलिस कर्मी घायल हो गए हैं। मामला जिले के सुरखी का है। इस घटना के बाद मध्य प्रदेश में एक बार फिर से हड़कंप मच गया है। प्रदेश में पुलिस पर हमले की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक के बाद एक सामने रही घटनाओं ने खुद पुलिस विभाग का सिर दर्द बढ़ा दिया है। मऊगंज के बाद अब सागर से पुलिस टीम पर हमले का एक मामला सामने आया है। गुरुवार की शाम को वारंटियों को पकडऩे गई पुलिस टीम पर पथराव हो गया, जिसमें 2 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा खुद सुरखी पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

7 हजार के लेनदेन में युवक को मारी गोली

ग्वालियर। ग्वालियर में रवि जाटव नाम के युवक को गोली मारकर फरार हुए आरोपी नितिन रजक को माधौगंज थाना पुलिस ने गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात को गुढी गुढा का नाका मरघट के पास से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा और एक खाली राउंड का खोखा बरामद किए हैं। माधौगंज थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की हैदरगंज में 25 मार्च की रात 11:45 बजे घर के बाहर खड़े युवक रवि जाटव को गोली मारने वाला आरोपी गुढी गुढा का नाका मरघट के पास खड़ा हुआ है। घायल और पकड़े गए आरोपी के बीच रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद था। घायल युवक ने घटना के बाद पहले गोली लगने को पटाखा समझा था कि उस पर किसी ने पटाखा फेंका है, बाद में अस्पताल में एक्सरे में स्पष्ट हुआ कि उसे गोली मारी है।

शहीद उप निरीक्षक श्री रामचरण गौतम के परिजनों को

भारतीय स्टेट बैंक ने एक करोड़ बीमे की सहायता राशि प्रदान की

संवाददाता ● भोपाल

सहायता

भारतीय स्टेट बैंक अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति हमेशा से सजग रहा है भारतीय स्टेट बैंक अपने स्टेट गवर्नमेंट सैलरी पैकेज (SGSP) और पुलिस सैलरी पैकेज (PSP) खातों मे कई तरह की पूरक सुविधाएं प्रदान करता है जिसमे मुख्यतः 1 करोड़ का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, 1.60 करोड़ का हवाई दुर्घटना बीमा, 1 करोड़ का स्थायी पूर्ण विकलांगता बीमा, 80 लाख का स्थायी आंशिक विकलांगता बीमा एवं 10 लाख का जीवन बीमा सम्मिलित है। शहीद श्री रामचरण गौतम, उप निरीक्षक, म प्र पुलिस, अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान ग्राम गदरा, जिला मऊगंज में एक बचाव अभियान पर भीड़ द्वारा किए गए हमले मे शहीद हो गए। श्री रामचरण गौतम भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के पुलिस सैलरी पैकेज खाते के माध्यम से अपना वेतन प्राप्त कर रहे थे। पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत पुलिस कर्मियों को दी जाने वाली व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा सुविधा के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक ने शहीद श्री रामचरण गौतम की धर्मपत्नी, श्रीमती पुष्पा गौतम को 1 करोड़ का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा अनुदान स्वीकृत किया। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एक सांछिप्त कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने शहीद श्री रामचरण गौतम जी की धमनपत्नी, श्रीमती पष्पा गौतम जी को 1 करोड़ का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक भोपाल मंडल के मुख्य महाप्रबंधक श्री चांद्रशेखर शर्मा ने राज्य शासन से आग्रह किया कि उनके सहयोग से SGSP एवं PSP के अंतर्गत अधिक से अधिक राज्य कर्मचारियों को जोड़ा जाए जिससे वह सभी इस योजना की सुविधा प्राप्त कर सके। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित भारतीय स्टेट बैंक भोपाल मंडल के महाप्रबंधक अजिताभ परासर, मनोज कुमार, कुंदन ज्योति, उपमहाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी अश्विनी कुमार एवं बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

आईटीबीपी जवान गांव में बकरियां चराता मिला

शिवपुरी। मध्य प्रदेश से फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी नौकरी पाने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शिवपुरी जिले के कोलारस तहसील के चकरा गांव के मूल निवासी हरी सिंह आदिवासी के नाम पर भूरा गुर्जर नामक युवक ने आईटीबीपी (इंडियन-तिब्बत बॉर्डर पुलिस) में भर्ती होकर एक साल तक नौकरी भी कर ली अब यह मामला एक जांच के बाद उजागर हुआ है। एसटी आरक्षण का फायदा उठाकर भर्ती होने वाले गुर्जर युवक के हावभाव और भाषा शैली को देखकर अफसरों को शक हुआ। इसके बाद दस्तावेजों की जांच में पाया गया कि उसने अपना पता चकरा गांव का दिया था। आईटीबीपी मुख्यालय से जांच शिवपुरी जिला कलेक्टर मुख्यालय भेजी गई। जब कलेक्टर ने इसकी जांच के लिए कार्रवाई की तो सनसनीखेज मामला सामने आया।

फिर असम में कौन तैनात...

'महिला रेप के लिए उकसा तो सकती है...'

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने रेप के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए उकसावे की परिभाषा को स्पष्ट किया। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल और जस्टिस प्रशांत गुप्ता ने अपने निर्णय में कहा कि भले ही कोई महिला स्वयं बलात्कार के लिए आरोपी नहीं हो सकती, लेकिन वह आईपीसी की धारा 109 के तहत बलात्कार के लिए उकसाने का अपराध जरूर कर सकती है। इसलिए रेप के लिए उकसाने वाली आरोपी महिला के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया। पूरा मामला भोपाल के छोला मंदिर इलाके का है। पीड़िता ने ने 21 अगस्त 2022 को छोला मंदिर थाने में रेप की शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में पीड़िता ने बताया था कि पड़ोसी ने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा था। जब वह शादी के लिए सहमति देने पड़ोसी के घर गई तो आरोपी की मां और उसके भाई ने जबरदस्ती उसे आरोपी के कमरे में भेज दिया। बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। कमरे ने आरोपी ने उसके साथ संबंध बनाए। सगाई के बाद आरोपी ने कई बार संबंध बनाए और फिर शादी से मुकर गया।

मप्र में 5वीं और 8वीं बोर्ड के परिणाम घोषित

लड़कियों ने मारी बाजी, 5वीं में 92.70 और 8वीं में 90.02 प्रतिशत बच्चे पास

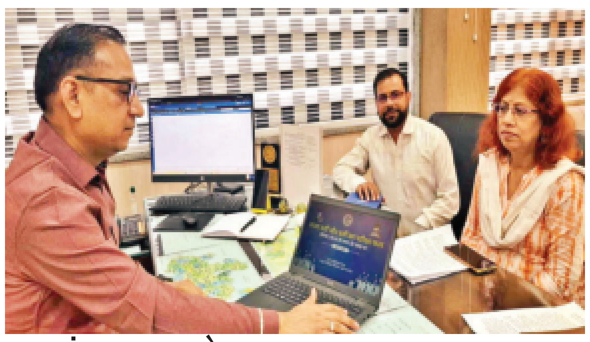

संवाददाता ● भोपाल

परिणाम

एमपी बोर्ड 5वीं रिजल्ट और एमपी बोर्ड 8वीं रिजल्ट जारी कर दिया गया है। एमपी 5वीं 8वीं बोर्ड परिणाम rskmp.in या www.rskmp.in/result.aspx पर जाकर चेक किया जा सकता है। इसके अलावा नीचे दिए गए क्यूआर कोड से भी परिणाम देखा जा सकता है। विद्यार्थी नीचे दिए गए रिजल्ट पेज के डायरेक्ट लिंक पर क्लिक कर रोल नम्बर व समग्र आईडी डालकर परिणाम चेक कर सकते हैं। कक्षा 5वीं में 92.70 एवं 8वीं में 90.02 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मध्यप्रदेश में कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं बोर्ड पैटर्न पर आयोजित की गई थीं। इसी पोर्टल पर शिक्षक, स्कूल प्रमुख अपने विद्यालय का विद्यार्थीवार परिणाम भी देख सकते हैं। 5वीं और 8वीं परीक्षाएं 24 फरवरी से 5 मार्च, 2025 के बीत कराई गई थीं। इनमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 11 लाख 17 हजार से अधिक तथा कक्षा 8वीं के 11 लाख 68 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा में शामिल 22 लाख 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए कुल 322 केन्द्र बनाये गए थे। इन मूल्यांकन केन्द्रों में एक लाख 19 हजार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं के द्वारा अंकों की ऑनलाइन एंट्री पोर्टल पर दर्ज की गई है।

स्कूल शिक्षा विभाग बोर्ड पैटर्न पर हुई 5वीं-8वीं की परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया है। कक्षा पांचवी 90.97 फीसदी रहा है। इसमें सरकारी स्कूल का 91.53 और निजी स्कूल का परीक्षा परिणाम 90.18 फीसदी रहा है। मदरसों का परिणाम 73.26 फीसदी रहा है। कक्षा आठवीं का रिजल्ट 87.71 फीसदी रहा है। सरकारी स्कूल का 86.22 फीसदी प्रायवेट स्कूल 90.60 फीसदी और मदरसा के 67.40 फीसदी छात्रों ने बाजी मारी है। एमपी बोर्ड 5वीं रिजल्ट की बात करें तो सरकारी स्कूलों का रिजल्ट प्राइवेट से बेहतर रहा है। जहां प्राइवेट स्कूलों में 5वीं के बच्चे 91.99 फीसदी पास हुए वहीं सरकारी स्कूलों में 93.24 फीसदी पास हुए। प्राइवेट स्कूलों का एमपी बोर्ड 8वीं का रिजल्ट सरकारी से बेहतर रहा है। जहां प्राइवेट स्कूलों में 8वीं के बच्चे 91.73 फीसदी पास हुए वहीं सरकारी स्कूलों में 89.13 फीसदी ही पास हो सके।

हाथ-पैर पर पेन से लिखा पत्नी का नाम, फिर खा लिया जहर

संवाददाता ● उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक पत्नी से परेशान होकर एक शख्स ने जहरीला पदार्थ पीकर सुसाइड कर लिया। दरअसल, शख्स की पत्नी अपने मायके चली गई थी, जिसको उसने कई बार बुलाया, लेकिन वो आपस नहीं आई। इसी से परेशान होकर शख्स ने आत्मघाती कदम उठाया और जहरीला पदार्थ पीकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उसने मरने के पहले अपने हाथों औप पैरों पर अपनी पत्नी का नाम लिखा था। पूरा मामला पंवासा थाना क्षेत्र का है, जिसकी जानकारी देते हुए एसआई मितेश मिठौरे ने बताया कि लखन मालवीय ने शराब में जहरीला पदार्थ मिलाकर पी लिया था। जिसकी वजह से उसकी हालत गंभीर हो गई। लखन की मां उसे तुरंत इलाज के लिए चरक चिकित्सालय लेकर गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लखन की मौत के बाद जब पुलिस ने उसकी मौत की वजह का पता लगाने की कोशिश की तो पूरे मामले की खुलासा हुआ। पुलिस को जानकारी मिली कि वह अपनी पत्नी के घर ना आने से परेशान था। उसने अपने परिजनों और खुद ससुराल जाकर पत्नी को लाने का प्रयास किया था, लेकिन पत्नी घर आने को तैयार नहीं थी। यही कारण था कि उसने शराब में जहरीला पदार्थ मिलाया और आत्मघाती कदम उठा लिया।

अंडे बेचने वाले युवक को आईटी ने भेजा 50 करोड़ का नोटिस

संवाददाता ● दमोह

मध्य प्रदेश के दमोह जिले के पथरिया नगर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां हाथ ठेले पर अंडे बेचने वाले युवक को आयकर विभाग से 50 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। यह नोटिस मिलने के बाद युवक और उसका परिवार सदमे में है। दरअसल, युवक के दस्तावेजों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। जिसके बाद आयकर विभाग ने उसको नोटिस भेजा है। युवक ने सरकार से मदद की अपील की है। उसने कहा कि इतना लेन-देन मेरे बस की बात नहीं हैं। मुझे फर्जी तरीके से फसाया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, युवक के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर दिल्ली में एक फर्जी फर्म बनाई गई थी। इस फर्म के नाम पर जीएसटी नंबर पंजीकृत किया गया और करोड़ों रुपये का लेनदेन किया गया। दो वर्षों तक यह फर्जी फर्म संचालित रही और इसके बाद अचानक इसे बंद कर दिया गया। अब आयकर विभाग ने नोटिस भेजकर इस पूरे लेनदेन की जानकारी मांगी है।

'मुझे झूठा फंसाया जा रहा'

इस अप्रत्याशित नोटिस से युवक और उसका परिवार घबराया हुआ है। पीड़ित परिवार ने पुलिस, जीएसटी और आयकर विभाग को आवेदन देकर पूरे मामले की जांच करने और दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ित युवक प्रिंस सुमन ने कहा कि मैं तो हाथ ठेले पर अंडे बेचकर अपना गुजारा करता हूं। इतने पैसों का लेनदेन मेरे बस की बात नहीं है। मुझे इस मामले में झूठा फंसाया जा रहा है। पीड़ित के पिता श्रीधर सुमन का कहना है कि हमारे बेटे के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल किया गया है।

ग्रामीण ने कर दिया आंदोलन का ऐलान

रेलवे के खिलाफ फूटा गुस्सा !

संवाददाता ● सीधी

ऐलान

जिले के दक्षिणी क्षेत्र अंतर्गत कटनी-चोपन रेल लाइन के शंकरपुर भदौरा रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी ट्रेन के ठहराव के साथ ही शासकीय स्टेशन मास्टर की नियुक्ति और ओवर ब्रिज निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बीते 30 नवंबर को चक्का जाम आंदोलन किया था। इसके बाद रेल प्रशासन ने एक माह के अंदर सभी मांगें पूरी करने का लिखित आश्वासन दिया था, लेकिन तीन महीने बीतने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब एक बार फिर से रेलवे की मनमानी शुरू हो गई है, जहां ओवर ब्रिज बनाए जाने की जरूरत है, वहां अंडर ब्रिज बनाए जा रहा है, जिसको लेकर ग्रामीण लामबंद हो गए हैं और इसका फिर जो पुरजोर विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग को दरकिनार करने पर रेलवे विभाग के प्रति ग्रामीण काफी आक्रोशित नजर आ रहे हैं और उनके द्वारा 25 अप्रैल को रेल रोको आंदोलन और जेल भरो आंदोलन करने का ऐलान किया है। ग्रामीण व समाजसेवी आनंद सिंह ददुआ का कहना है कि सीधी-कुसमी मेन रोड पर अंडर ब्रिज अव्यवहारिक होगा, यहां अंडर ब्रिज बनाए जाने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि इस मार्ग से तेंदूपत्ता, रेत और अन्य भारी वाहन गुजरते हैं। अंडर ब्रिज बनने से बरसात के दिनों में पानी भरने और जाम की समस्या उत्पन्न होगी, जिससे आवागमन बाधित होगा। इसलिए ओवर ब्रिज ही एकमात्र समाधान है।

सुलह का हुआ प्रयास

रेलवे विभाग से आए हुए प्रतिनिधि एवं आंदोलनकारियों के बीच SDM कार्यालय कुसमी में आपसी समझौता हुआ था, जिसमें रेलवे विभाग के द्वारा ओवरब्रिज बनाने एवं स्वीकृति का एक पत्र प्रतिनिधि के द्वारा लाया गया था। जिसे दिखाकर आपसी समझौता एसडीएम कार्यालय से किया गया था और आन्दोलन पूर्व में रोक दिया गया था। इसके बाद फिर रेल विभाग के द्वारा भदौरा मे अंडर ब्रिज बनाने का काम शुरु कर दिया गया, जिसको लेकर नाराज ग्रामीण फिर से धरना प्रदर्शन करने का अल्टीमेट दिया है। 25 अप्रैल को रेल रोको आंदोलन और जेल भरो आंदोलन का ऐलान कर दिया है।

राजनीति में पोलराइजेशन पर गरमाई बहस, बीजेपी-एमआईएम में तीखी नोकझोंक

भारत के प्रमुख प्रसारण नेटवर्क टाइम्स नेटवर्क द्वारा टाइम्स नाउ समिट 2025 का आयोजन 27 और 28 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस बार का विषय 'कीपिंग भारत अहेड' है जिसके तहत इसमें शासन, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत की बढ़ती भूमिका पर चर्चा हुई। इस शिखर सम्मेलन में वक्ता के रूप में मौजूद भारतीय राजनीति में ध्रुवीकरण (पोलराइजेशन) के मुद्दे पर गरमागरम बहस देखने को मिली, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एमपी और राजनीतिक दल ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एक दूसरे के आमने-सामने आए।

वारिस पठान का बीजेपी पर हमला

एमआईएम नेता वारिस पठान ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा, 'पोलराइजेशन का खेल बीजेपी खेल रही है, हमारी पार्टी नहीं। वे मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाकर सत्ता में बने रहना चाहते हैं।' उन्होंने वक्फ संपत्तियों और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर भी बीजेपी पर निशाना साधा।

सुधांशु त्रिवेदी का जवाब

इस पर बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पलटवार करते हुए कहा, 'क्या मुस्लिम नेताओं को औरंगजेब की कब्र पर जाना जरूरी था? हिंदू नेता कभी ऐसी विभाजनकारी राजनीति नहीं करते। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और एमआईएम सभी औरंगजेब के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।'

वक्फ संपत्तियों पर भी मचा घमासान

वारिस पठान ने बीजेपी पर वक्फ संपत्तियों को जबरन हड़पने का आरोप लगाया, तो सुधांशु त्रिवेदी ने इसका जवाब देते हुए कहा कि 'यह सरकारी संपत्ति है, जिस पर गलत तरीके से दावा किया जा रहा है।'

औरंगजेब की कब्र पर विवाद

जब एमआईएम नेताओं द्वारा औरंगजेब की कब्र पर जाने का मुद्दा उठा, तो वारिस पठान ने इसे एएसआई संरक्षित स्मारक बताते हुए कहा, "अगर सरकार को इतनी ही समस्या है तो इसका संरक्षण हटा दें।" वहीं, सुधांशु त्रिवेदी ने पलटवार करते हुए कहा, "अगर गुलामी के प्रतीक के रुप में अंग्रेजों की मूर्तियाँ हटाई जा सकती हैं, तो औरंगजेब की कब्र क्यों बनी रहनी चाहिए?"

"पत्थर आसमान से नहीं गिरते"

नागपुर की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, 'ये पत्थर आसमान से नहीं टपके हैं, बल्कि इसे योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया है। यह कोई स्वतःस्फूर्त (स्पॉन्टेनियस) घटना नहीं थी, बल्कि एक सोची-समझी साजिश थी।' उन्होंने सवाल उठाया कि अगर इतनी बड़ी संख्या में पत्थर इकट्ठे हुए, तो प्रशासन और इंटेलिजेंस एजेंसियां क्या कर रही थीं? उन्होंने आगे कहा, 'जब कश्मीर में पत्थरबाज़ी होती थी, तो इसे मास्टरमाइंडेड बताया जाता था। नागपुर की घटना भी उसी तरह से एक साजिश है, जो अब जांच में सामने आ रही है।'

"बुलडोज़र कार्रवाई पर सवाल क्यों?"

बुलडोज़र एक्शन को लेकर भाजपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जितनी भी बुलडोज़र कार्रवाई हुई हैं, किसी को भी अदालत में अवैध नहीं ठहराया गया। उन्होंने कहा, 'हर बार सिर्फ गैरकानूनी निर्माण पर ही बुलडोज़र चला है। कोई भी कोर्ट यह साबित नहीं कर पाई कि किसी का घर गैरकानूनी तरीके से गिराया गया है।'

"रेवड़ियां नहीं, इंसाफ चाहिए"

वहीं, एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने भाजपा पर तीखा हमला किया और कहा कि भाजपा सिर्फ 'मुसलमानों को गालियां देने' की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा, 'भाजपा की राजनीति सिर्फ नफरत और ध्रुवीकरण पर टिकी है। बिहार चुनाव से पहले ये 'सौगात' देने की बात कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि असली सौगात बिलकिस बानो के बलात्कारियों की रिहाई थी, गोधरा कांड था, और ज़किया जाफरी को इंसाफ न मिलना था।' पठान ने वक्फ संपत्तियों को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए और कहा, 'अगर भाजपा को मुसलमानों को कुछ देना ही है, तो वक्फ संपत्तियों पर लाए गए बिल को वापस ले।'

"अभिनेताओं पर भी राजनीति?"

सिनेमाई जगत पर चर्चा के दौरान वारिस पठान ने कहा कि यदि कोई मुस्लिम अभिनेता औरंगज़ेब का किरदार निभाता तो विवाद खड़ा हो जाता। उन्होंने कहा, 'अक्षय खन्ना ने 'छावा' फिल्म की, लेकिन अगर कोई मुस्लिम अभिनेता होता, तो हंगामा मच जाता।'

"विकास नहीं, ध्रुवीकरण की राजनीति"

वारिस पठान ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा, 'भाजपा विकास की बात नहीं करती, सिर्फ हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती है।' उन्होंने दावा किया कि सरकार ने देश में बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जीवा के एक बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश को सिर्फ सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकृत कर रही है। उन्होंने कहा, 'आज देश में नफरत फैलाई जा रही है, लेकिन रोजगार और विकास की कोई बात नहीं हो रही।'

यूसीसी कानून, देवभूमि की चुनौती, चार धाम पर बोले उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी!

भारत के प्रमुख प्रसारण नेटवर्क टाइम्स नेटवर्क द्वारा TIMES NOW समिट 2025 का आयोजन 27 और 28 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस बार का विषय 'कीपिंग भारत अहेड' (Keeping Bharat Ahead) है जिसके तहत इसमें शासन, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत की बढ़ती भूमिका पर चर्चा हुई। इस शिखर सम्मेलन में वक्ता के रूप में मौजूद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी कानून, चार धाम और उत्तराखंड देवभूमि पर आने वाली चुनौतियों को लेकर जरूरी जानकारी दी. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है, यह गंगा, यमुना, चार धामों और आदि कैलाश का प्रदेश है। यहां की 71% भूमि वन क्षेत्र है, जो जल, जीवन और पर्यावरण को संतुलित बनाए रखती है। यह ऋषियों, आयुर्वेद और योग की भूमि है, इसलिए इसकी पवित्रता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।'

यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) का क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि 'हमने 2022 के चुनाव में वचन दिया था कि सत्ता में आने पर UCC लागू करेंगे। जनता ने हमें इसके लिए जनादेश दिया और हमने 27 जनवरी 2024 को पूरे राज्य में UCC लागू कर दिया। यह महिलाओं की संपूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला कानून है। UCC के अंतर्गत लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर किए गए प्रावधानों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 'लिव-इन रिलेशनशिप हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट ने मान्यता दी है। इसलिए, इसमें पारदर्शिता लाने के लिए हमने यह प्रावधान किया है कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले व्यक्तियों की जानकारी उनके माता-पिता को दी जाएगी। इससे अवैध संबंधों और हिंसक घटनाओं को रोका जा सकेगा।'

अवैध मजारों और मदरसों पर कार्रवाई

मुख्यमंत्री धामी ने राज्य में अवैध मजारों और मदरसों पर की जा रही कार्रवाई के संबंध में कहा कि 'उत्तराखंड की पहचान एक आस्था स्थल के रूप में है। लेकिन सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण नहीं होने दिए जाएंगे। हमने अब तक 6000 एकड़ जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। कुछ स्थानों पर जब अवैध मजारें हटाई गईं, तो वहां कोई धार्मिक अवशेष नहीं मिले। कई स्थानों पर केवल एक चादर डालकर अतिक्रमण किया गया था। इसे 'लैंड जिहाद' कहा जाता है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'देवभूमि में कानून का राज स्थापित, डेमोग्राफिक बदलाव पर भी रखी सख्त नजर'

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में अब कानून के अनुरूप ही सभी कार्य होंगे और देवभूमि में रहने वालों को भी इसी के अनुरूप जीने की आदत डालनी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कानून का शासन स्थापित हो गया है, और किसी को भी अव्यवस्था फैलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

डेमोग्राफिक बदलाव पर जताई चिंता

मुख्यमंत्री धामी ने यह भी कहा कि बीते कुछ सालों में उत्तराखंड की डेमोग्राफी को बदलने के प्रयास हुए हैं, लेकिन अब उनकी सरकार इस पर पूरी तरह नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा,'हमने देखा कि रोहिंग्या और कई अन्य लोग, जिनका अपराधिक इतिहास रहा है, तेजी से बढ़े। हमने इनकी वेरिफिकेशन प्रक्रिया शुरू करवाई है, ताकि देवभूमि का मूल स्वरूप बना रहे। अब कोई अपराध करेगा, तो उसे देवभूमि में छिपने की जगह नहीं मिलेगी।'

चारधाम यात्रा में नहीं चलेगा 'रील कल्चर'

धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा एक आध्यात्मिक अनुभव है और इसे पर्यटन से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यात्रा के कुछ नियम होते हैं, जो हमारे ऋषि-मुनियों के समय से चले आ रहे हैं। यात्रा में शुचिता और अनुशासन जरूरी है। हम चाहते हैं कि लोग इस यात्रा को सिर्फ 'रील बनाने' के लिए न करें, बल्कि इसे पूरी श्रद्धा के साथ महसूस करें।'

केदारनाथ पुनर्निर्माण और पर्यावरण संरक्षण

सीएम ने केदारनाथ पुनर्निर्माण पर भी बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार वहां विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण को भी ध्यान में रख रही है। उन्होंने बताया,'हमारा लक्ष्य है कि धामों की क्षमता के अनुसार ही तीर्थयात्रियों का प्रबंधन हो, ताकि व्यवस्था में कोई अव्यवस्था न हो। इसके लिए आसपास के क्षेत्रों में भी नए धार्मिक स्थलों को विकसित किया जा रहा है।'

सिराथू टनल रेस्क्यू ऑपरेशन-पीएममोदी का समर्थन

मुख्यमंत्री ने सिराथू टनल रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में बताते हुए कहा कि यह 17 दिन चला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें लगातार अपडेट लेते रहे। धामी ने कहा, 'प्रधानमंत्री जी का हर दिन सुबह 8-9 बजे फोन आता था। वह न सिर्फ हालात की जानकारी लेते थे, बल्कि हर जरूरी संसाधन और तकनीकी मदद भी तुरंत उपलब्ध करवाते थे। जब 41 मजदूर सुरक्षित बाहर निकले, तब मेरी आंखों में आंसू आ गए, लेकिन मैंने खुद को संभाला।' उन्होंने बताया कि जब श्रमिकों से बात की गई तो बिहार के एक श्रमिक सभा खान ने कहा,'हमें पीएम मोदी और आप पर पूरा भरोसा है। हमें जितने भी दिन रहना पड़े, हम रह लेंगे, लेकिन हमें भरोसा है कि आप हमें बाहर निकालेंगे।

'प्रधानमंत्री मोदी एक कुशल शिल्पकार

'प्रधानमंत्री मोदी के साथ काम करने के अनुभव पर धामी ने कहा कि शुरुआत में उन्हें भी लगता था कि मोदी जी काफी सख्त होंगे, लेकिन मुलाकात के बाद उनकी धारणा बदल गई। उन्होंने कहा,'जब मैं पहली बार उनसे मिला, तो कुछ ही मिनटों में ऐसा लगा कि मैं अपने किसी अभिभावक से बात कर रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी एक कुशल नेता ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण के भी शिल्पकार हैं। वे किसी भी व्यक्ति को आत्मविश्वास और संवेदनशीलता से आगे बढ़ाने की कला जानते हैं।'

संसद में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर

राहुल गांधी की शिकायतों पर स्मृति ईरानी ने कसा तंज!

भारत के प्रमुख प्रसारण नेटवर्क टाइम्स नेटवर्क द्वारा समिट 2025 का आयोजन 27 और 28 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस बार का विषय 'कीपिंग भारत अहेड' है जिसके तहत इसमें शासन, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत की बढ़ती भूमिका पर चर्चा हुई। इस शिखर सम्मेलन में वक्ता के रूप में मौजूद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राजनीति और सेवा के अपने दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए कई मुद्दों पर खुलकर बात की और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) पार्टी के नेता राहुल गांधी पर कसा तंज। संसद में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर राहुल गांधी की शिकायतों पर ईरानी ने तंज कसते हुए कहा, 'सच्चा सम्मान अर्जित किया जाता है, न कि मांगा जाता है।' उन्होंने संसद में बहस के स्तर पर कहा, 'यदि किसी को संसद में गंभीरता से नहीं लिया जाता, तो यह उनकी व्यक्तिगत क्षमता पर निर्भर करता है, न कि लोकतांत्रिक संस्थानों की विफलता पर।' स्मृति ईरानी ने अपने कार्यकाल पर बात करते हुए कहा, 'अगर मैं पारंपरिक राजनीति करती, तो केवल सुरक्षित सीटों पर ध्यान देती, लेकिन मेरा लक्ष्य हमेशा समाज की सेवा रहा है। 1 लाख परिवारों के लिए घर और 3.5 लाख परिवारों के लिए शौचालय निर्माण की पहल की, जिससे लाखों लोगों को गरिमा से जीने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि है।'

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका

ईरानी ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) के साथ अपने कार्यों को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि वे 10,000 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के नेटवर्क का निर्माण कर रही हैं और 56 कॉमनवेल्थ देशों को लैंगिक समानता के लिए प्रेरित कर रही हैं। 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में हम B20 के सह-अध्यक्ष हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका मजबूत हो रही है,' उन्होंने कहा।

महिला सशक्तिकरण की नई दिशा

महिलाओं की सफलता के मानकों पर चर्चा करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि हमें पुराने विमर्शों से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा, 'तकनीकी क्रांति के कारण अमेरिका में 70% महिलाओं की नौकरियां ख़तरे में हैं। हमें इस बदलाव के लिए तैयार रहना होगा।' उन्होंने बताया कि इस वर्ष 300 भारतीय शहरों में महिला उद्यमियों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने की योजना बनाई गई है। 'भाषा की बाधा महिला व्यापारियों के लिए चुनौती बनती है, जिसे दूर करने के लिए हम विशेष कार्यक्रम चला रहे हैं,' ईरानी ने कहा।

भविष्य की योजनाएं

अपने भविष्य को लेकर स्मृति ईरानी ने कहा, "मैं जल्द ही आइवी लीग विश्वविद्यालयों में व्याख्यान देने और सेमीकंडक्टर उद्योग में संभावनाएं तलाशने जा रही हूं।" ईरानी ने निष्कर्ष में कहा कि वास्तविक पहचान केवल कार्यों और सिद्धांतों से बनती है। उन्होंने कहा, "लेबल किसी की क्षमता को सीमित कर सकते हैं, लेकिन मैं समाज और राष्ट्र सेवा की अपनी राह पर दृढ़ हूं।"

सैफ अली खान पर हमले की खबर सुनकर मैं सुन्न हो गई थी - सारा

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने हाल ही में अपने पिता सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर अपनी पहली प्रतिक्रिया साझा की। टाइम्स नाउ समिट 2025 में, जहां वे 'बॉलीवुड की सीमाओं को पार करने' पर चर्चा कर रही थीं, वहीं उन्होंने इस चौंकाने वाली घटना पर खुलकर बात की। सारा ने कहा, 'मैं पूरी तरह से सुन्न हो गई थी। मुझे ज्यादा कुछ याद नहीं, बस बिलकुल थम सी गई मानो। समझ नहीं आ रहा था कि हो क्या रहा है। शुक्र है कि स्थिति गंभीर नहीं थी। अस्पताल पहुंचने से लेकर अपडेट मिलने तक के 15-20 मिनट बहुत कठिन थे, लेकिन राहत जल्दी ही मिल गई।' जब सैफ के अस्पताल से मुस्कुराते हुए बाहर आने और उनके दर्द छिपाने के बारे में पूछा गया, तो सारा ने कहा, 'यह उनके स्वभाव और एक पिता की भूमिका का हिस्सा है। चार बच्चों के पिता होने के नाते, खासकर छोटे बच्चों के लिए, उन्हें यह दिखाना था कि वे ठीक हैं। वे हमेशा से लड़ाकू स्वभाव के रहे हैं और कभी हार नहीं मानते। हमारे काम की भी यही सच्चाई है—कई बार हमें हिम्मत दिखाकर कहना पड़ता है, 'मैं ठीक हूं।'' अपने पिता की शांत स्वभाव की सराहना करते हुए सारा ने स्वीकार किया, 'वह तनावपूर्ण परिस्थितियों में मुझसे कहीं बेहतर हैं। मैं पहले घबराती हूं, फिर स्तब्ध रह जाती हूं और फिर रो पड़ती हूं, लेकिन पापा हमेशा शांत रहते हैं और यही चीज़ मुझे उनसे सीखनी है।'

'सनातन का उत्थान, पूरे विश्व का उत्थान है' – जया किशोरी

प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता और कथावाचिका जया किशोरी ने हाल ही में भारत के प्रमुख प्रसारण नेटवर्क टाइम्स नेटवर्क द्वारा टाइम्स नाउ समिट 2025 में वक्ता के रूप में मौजूद रही जहाँ उन्होंने सनातन धर्म, युवा पीढ़ी की आध्यात्मिकता के प्रति रुचि और भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म केवल एक धार्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जो पूरी मानवता का कल्याण चाहती है।

'**सनातन भारत की आत्मा है** - भारत की सनातन परंपरा और इसके ऐतिहासिक संदर्भों पर बोलते हुए उन्होंने कहा,'सनातन धर्म का अर्थ ही होता है – शाश्वत। यह न कभी खत्म हुआ था, न होगा। विष्णु पुराण से लेकर महाभारत तक, सभी ग्रंथों में यह स्पष्ट उल्लेख है कि हिमालय के दक्षिण और समुद्र के उत्तर में स्थित यह भूमि, भारतवर्ष, हमेशा से सनातन धर्म का केंद्र रही है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सनातन धर्म केवल भारतीय उपमहाद्वीप तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक आध्यात्मिक पथदर्शक है।

"आज के दौर में सनातन की प्रासंगिकता पहले से अधिक"

आधुनिक समय में सनातन धर्म की प्रासंगिकता पर बात करते हुए जया किशोरी ने कहा,"आज की तनावग्रस्त दुनिया में आध्यात्मिकता ही एकमात्र समाधान है। मैंने ऋषिकेश में हाल ही में आयोजित इंटरनेशनल योग फेस्टिवल में देखा कि भारतीयों से अधिक विदेशी लोग योग, ध्यान और हमारे वेद-शास्त्रों को सीखने के लिए आ रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि पूरी दुनिया को आज भारतीय संस्कृति और सनातन के मार्गदर्शन की आवश्यकता है।" उन्होंने आगे कहा कि भारत में आध्यात्मिकता को बनाए रखना अब पहले से भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास ऐतिहासिक"

सनातन धर्म के उत्थान में सरकार की भूमिका पर बात करते हुए उन्होंने आदिशंकराचार्य के प्रयासों की तुलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की। उन्होंने कहा,"आदिशंकराचार्य जी ने जिस तरह से भारत में सनातन धर्म को पुनर्जीवित किया था, वैसा ही कार्य आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कर रहे हैं। उन्होंने अध्यात्म और संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास किया है, जो बेहद सराहनीय है।" उन्होंने यह भी कहा कि आध्यात्मिक जागरुकता और धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार के लिए सरकार का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

"सनातन धर्म सबको साथ लेकर चलता है"

कुछ विचारधाराओं द्वारा सनातन धर्म पर सवाल उठाए जाने को लेकर जया किशोरी ने स्पष्ट शब्दों में कहा,"सनातन का उत्थान केवल हिंदू धर्म का उत्थान नहीं, बल्कि पूरे विश्व का उत्थान है। यह धर्म सभी को साथ लेकर चलता है और इसमें संपूर्ण ब्रह्मांड को अपना परिवार मानने की भावना है। इसमें किसी के प्रति नफरत का स्थान नहीं है।" हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अधर्म का नाश आवश्यक है।"जब हम कहते हैं 'धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो', तो इसका अर्थ व्यक्ति का नाश नहीं, बल्कि उसके भीतर के अधर्म की समाप्ति है। सनातन हमें यह सिखाता है कि नकारात्मकता को समाप्त करो, व्यक्ति को नहीं।"

"युवाओं में बढ़ रही है अध्यात्म के प्रति रुचि"

भारत के युवाओं में आध्यात्मिकता की बढ़ती रुचि पर उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा,"पहले भक्ति केवल बुजुर्गों तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब युवा भी इसमें रुचि ले रहे हैं। कुंभ मेले में मैंने देखा कि बड़ी संख्या में युवा इसमें शामिल हुए। यह दर्शाता है कि नई पीढ़ी अब अपने धर्म और संस्कृति को समझने की कोशिश कर रही है, जो एक सकारात्मक संकेत है।"

"कुंभ ने दिखाया सनातन धर्म की शक्ति"

कुंभ मेले की ऐतिहासिक सफलता पर बोलते हुए उन्होंने कहा,"इस बार कुंभ में जो जनसैलाब उमड़ा, उसने सिद्ध कर दिया कि सनातन धर्म की लहर पूरी दुनिया में फिर से उठ रही है। लाखों श्रद्धालु वहाँ पहुंचे, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि भारत में आध्यात्मिकता और धर्म की जड़ें कितनी गहरी हैं।" अंत में, उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आध्यात्मिकता और सनातन धर्म की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने वाली है।"अगर नई पीढ़ी अध्यात्म और धर्म को समझेगी, तो देश उसी दिन आत्मनिर्भर और सशक्त बन जाएगा।"

बस्तर की लोक संस्कृति को मिल रही है नई पहचान: वन मंत्री केदार कश्यप

संवाददाता ● रायपुर

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य की चहुमुखी विकास हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य के आदिवासी संस्ककति लोक कलाओं एवं लोक परंपराओं सहित बस्तर की संस्कृति को संरक्षण और संवर्धन करने की दिशा में बेहतर काम कर रही है इससे बस्तर की लोक संस्कृति को देश और दुनिया में एक नई पहचान मिली है। मंत्री श्री कश्यप ने जिला कोण्डागांव में आयाजित ह्यबस्तर पंडुमह्व प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए इस आशय के विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में जिले के पांचों विकासखंडों से आए लोक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से जनजातीय संस्कृति को जीवंत बना दिया। वहीं जनजातीय व्यंजन, आभुषण, वेशभूषा और शिल्पकला का भव्य प्रदर्शनी लोगों में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बस्तर की जीवनशैली में जनजातीय गीत-संगीत, नृत्य और खानपान अनूठी पहचान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस विलुप्त होती लोकसंस्कृति को ह्यबस्तर पंडुमह्व के माध्यम से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्ति की ओर बढ़ रहा है, जिससे विकास के नए द्वार खुलेंगे और बस्तर की समृद्ध संस्कृति को देश-दुनिया में पहचान मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बस्तर के कोदो, कुटकी और रागी जैसे पोषक अनाजों को अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि ह्यबस्तर पंडुमह्व नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध संस्कृति को समझने और अपनाने का अवसर देगा। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने जानकारी दी कि जिला स्तरीय आयोजन में विकासखंड स्तर पर चुने गए आठ विधाओं के विजेता प्रतिभागी शामिल हुए हैं। यहां से चयनित प्रतिभागी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस पहल से बस्तर की संस्कृति को नई पहचान मिल रही है।

किसान से दिनदहाड़े 1 लाख की लूट, मोमोज की चटनी फेंककर लुटेरों ने दिया घटना को अंजाम

संवाददाता ● खैरागढ़

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर में दिन दहाड़े किसान से 1 लाख रुपए की लूट हुई है. आरोपियों ने किसान पर मोमोज की तीखी चटनी फेंककर लूट को अंजाम दिया है. घटना की सूचना मिलने के बाद जांच में जुटी पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

घटना नगर पंचायत वाड्रफनगर के वार्ड क्रमांक 11 की है, जहां पीड़ित 70 वर्षीय किसान मोहन सिंह मरावी बैंक से पैसा निकालकर अपने घर जा रहा था. घर के भीतर जैसे ही किसान पैसे रखने पहुंचा, उस पर लुटेरों ने मोमोज की तीखी चटनी फेंक दी. किसान के असहज होते ही लुटेरे नगदी छिनकर फरार हो गए.लोगों में दहशत पैदा करने वाले इस वारदात की जानकारी मिलते ही वाड्रफनगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. वाड्रफनगर चौकी प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. उउळश फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की जा रही है.

साय ने मनोविकास केंद्र का किया निरीक्षण, बच्चों से की मुलाकात, सुविधा विकसित करने के दिए निर्देश

बलौदाबाजार. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज बलौदाबाजार जिले के दौरे पर हैं. यहां उन्होंने डेढ़ करोड़ रुपए की लगात से निर्मित मनोविकास केंद्र का निरीक्षण किया. इस दौरान सीएम साय ने मानसिक रूप से कमजोर बच्चों से मुलाकात की. मुख्यमंत्री के हाथों बैग पाकर नन्हें बच्चों के चेहरे खिल उठे. बलौदाबाजार में मनोविकास केंद्र के निरीक्षण के दौरान सीएम साय ने डॉक्टरों से बच्चों के इलाज के संबंध में जानकारी ली. साथ ही सुविधा विकसित करने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री साय ने बेहतर कार्य करने के लिए कलेक्टर दीपक सोनी और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों की तारीफ की.

न्यूज कॉलम

सब स्टेशन में लगी आग, इलाके में मची अफरा-तफरी

दुर्ग। दुर्ग के पुरानी भिलाई स्थित सब स्टेशन में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही दकमल की टीम मौके पर पहुंची और एक गाड़ी पानी की मदद से आग पर काबू पा लिया. बता दें कि पुराने मीटर और ट्रांसफार्मर में यह आग लगी थी. समय रहते आग पर काबू पाने से एक बड़ा हादसा टल गया।

प्यार के जाल में फंसाकर किया दुष्कर्म

रायपुर। प्यार, विश्वास और शादी का वादाङ्क लेकिन हकीकत में मिला धोखा, दर्द और बेबसी. गोलबाजार थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. आरोपी युवक ने शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाया और जब उसने अपनी 8 महीने की संतान के साथ न्याय की गुहार लगाई, तो वह फरार हो गया. जिसके बाद से आरोपी फरार था हालांकि अब पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया है।

स्केम का लालच देकर डॉक्टर से 50 लाख की ठगी

बालोद. छत्तीसगढ़ में लगातार ठगी के मामले सामने आ रहे. बालोद थाना क्षेत्र में भी साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, यहां निजी हॉस्पिटल के डॉक्टर ने फेसबुक के जरिए ऑनलाइन ट्रेंडिंग स्केम में 50 लाख 48 हजार रुपए इन्वेस्ट किया और वह ठगी का शिकार हो गया. पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.बता दें कि साइबर ठगी की जाल में पहले अशिक्षित लोग फंसते नजर आते थे, लेकिन पढ़े लिखे शिक्षित लोग भी घर बैठे मोटी रकम कमाने की लालच में लाखों रुपए गंवा रहे हैं. बालोद एसपी एसआर भगत ने लगातार जागरूकता अभियान चलाने के बाद भी पढ़े लिखे शिक्षित लोग साइबर ठगी के शिकार होते मामले को लेकर चिंता जताई. उन्होंने लोगों से साइबर ठगी से बचने की अपील भी की है.

10 साल से फरार महिला यूपी से गिरफ्तार, कारनामे जानकर उड़ जाएंगे

संवाददाता ● रायपुर

10 साल से फरार चल रही बिनीता शर्मा को रायपुर पुलिस ने गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है. आरोपिया अपने पति के साथ मिलकर आदिवासी बच्चों से जबरन घरेलू काम कराने के अपराध में संलिप्त थी. बिनीता शर्मा के पति सतीश शर्मा उर्फ क्षितिज को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी और वर्ष 2022 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन उसकी पत्नी फरार थी, जिसकी पुलिस लगातार तलाश कर रही थी.आरोपी दंपति कबीर नगर फेस-4, रायपुर में रहते थे. दंपति बस्तर मित्र फाउंडेशन के नाम से एक फर्जी संस्था बना रखी थी. इस फर्जी संस्था की आड़ में उन्होंने जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत तीन आदिवासी बच्चों को उच्च शिक्षा के बहाने अपने घर बुलाया, लेकिन शिक्षा दिलाने के बजाय बच्चों से झाड़ू-पोछा, बर्तन धोना, गाड़ी साफ करना, हाथ-पैर दबवाना जैसे घरेलू काम करवाए जाते थे. बच्चों को परिवार से बात करने तक की अनुमति नहीं दी जाती थी.इस फर्जी संस्था की आड़ में उन्होंने जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत तीन आदिवासी बच्चों को उच्च शिक्षा के बहाने अपने घर बुलाया, लेकिन शिक्षा दिलाने के बजाय बच्चों से झाड़ू-पोछा, बर्तन धोना, गाड़ी साफ करना, हाथ-पैर दबवाना जैसे घरेलू काम करवाए जाते थे. बच्चों को परिवार से बात करने तक की अनुमति नहीं दी जाती थी.

थाना कबीर नगर में था मामला दर्ज

इस मामले में थाना कबीर नगर में मामला दर्ज किया गया था. पुलिस टीम ने गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में छापेमारी कर फरार चल रही बिनीता शर्मा को गिरफ्तार किया. इस ऑपरेशन में नगर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार झा, थाना कबीर नगर के सहायक उप निरीक्षक घनश्याम साहू, महिला आरक्षक शारदा ध्रुव एवं कंचन लता खालको, और आरक्षक राधेश्याम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

किसी भी कीमत पर नहीं खुलने देंगे शराब दुकान

आरंग. प्रदेश सरकार राज्य के कई जगहों पर नई शराब दुकान खोलने जा रही है, जिसका विरोध भी शुरू हो गया है. आरंग जनपद पंचायत के ग्राम खौली में प्रस्तावित नई शराब दुकान खोलने का ग्रामीणों ने एक स्वर में विरोध किया है. ग्रामीणों ने क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर के नेतृत्व में आरंग एसडीएम पुष्पेंद्र शर्मा को ज्ञापन सौंपकर अपना विरोध जताया. गांव में शराब दुकान खुलने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी.ग्रामीणों ने प्रशासन पर गांव के जनप्रतिनिधियों पर शराब दुकान खोलने के लिए सहमति बनाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि स्थानीय प्रशासन गांव के सरपंच पर शराब दुकान खोलने की सहमति प्रदान करने का दबाव बना रहे है, जिसके कारण सरपंच भयभीत है. वहीं गांव की महिलाओं का कहना है कि ग्राम खौली में कक्षा 12वीं तक स्कूल है और आसपास के गांव की लड़कियां बड़ी संख्या में पढ़ाई करने यहां आती हैं. शराब दुकान खुलने ने असामाजिक तत्व गांव में अशांति फैलाएंगे और गांव की बहु बेटियों का घर से निकलना मुश्किल हो जाएगा।

पेट्रोल पंप के कर्मचारी पर जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ● खैरागढ़

जिले के रश्मि देवी पेट्रोल पंप में कार्यरत कर्मचारी पर हुए जानलेवा हमले के आरोपी अनिकेत मेश्राम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपी को ऐसा सबक सिखाने की ठानी, जिसे देखकर पूरे शहर में सनसनी फैल गई। हाथों में हथकड़ी, चेहरे पर शिकन और पुलिस के घेरे में चलता यह अपराधी जब मुख्य मार्ग पर जुलूस के रूप में निकला तो सड़क किनारे खड़ी भीड़ ने सख्त कार्रवाई की यह तस्वीर देखी और कानून के इस नए तेवर की सराहना की।रश्मि देवी फ्यूल पंप के एक कर्मचारी पर यह हमला उस वक्त हुआ था, जब वह अपने रोजमर्रा के काम में व्यस्त था।

अचानक हुए इस हमले से न केवल पेट्रोल पंप कर्मी बल्कि वहां मौजूद ग्राहक और आसपास के लोग भी सकते में आ गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और महज कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन इस बार पुलिस ने सिर्फ गिरफ्तारी तक मामला सीमित नहीं रखा, बल्कि अपराधियों में खौफ पैदा करने के लिए अनिकेत मेश्राम को हथकड़ी लगाकर शहर के मुख्य मार्ग से पैदल घुमाया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान लोग सड़कों पर जमा हो गए और पुलिस की इस सख्त कार्रवाई को करीब से देखने लगे। शहर में इस तरह किसी अपराधी को सार्वजनिक रूप से हथकड़ी में घुमाया गया, जिससे आम जनता में यह संदेश गया कि अब अपराधियों की खैर नहीं है। लोग अपने मोबाइल फोन से इस नजारे को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा करने लगे और कुछ ही देर में यह वीडियो शहरभर में चर्चा का विषय बन गया।

कई मामलों में जेल जा चुका है आरोपी

अनिकेत मेश्राम पहले भी अपराध की दुनिया में सक्रिय रहा है। वह बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी और नशाखोरी करते कई बार पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है, लेकिन हर बार बच निकलने में कामयाब हो जाता था। इस बार पुलिस ने उसे सिर्फ गिरफ्तार करने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि शहरवासियों को दिखा दिया कि अपराध की राह पर चलने वालों को अब कोई राहत नहीं मिलेगी।

राज्यपाल रमेन डेका के काफिले ने ली महिला की जान, गरीब परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

सरगुजा। राज्यपाल रमेन डेका इन दिनों दो दिवसीय सरगुजा प्रवास पर हैं. उनके प्रवास के दौरान आज मैनपाट के उल्टापानी में राज्यपाल डेका की सुरक्षा में लगे फॉलो वाहन ने गरीब महिला की जान ले ली. फॉलो वाहन की ठोकर से घायल 55 वर्षीय महिला सुन्नी मझवार की मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शी अमरनाथ यादव के मुताबिक, दुर्घटना के बाद भी राज्यपाल का काफिला वहां से गुजर गया. पुलिस की दो-तीन और गाड़ियां भी घायल महिला तड़पती हुई हालत में छोड़कर चली गई. बाद में टीआई ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, तब तक देर हो चुकी थी. महिला को पहले मैनपाट के कमलेश्वर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई.

घटना पर बयान देने से उच्च अधिकारियों ने किया इंकार- इस संबंध में पुलिस के उच्च अधिकारियों से बातचीत की कोशिश की गई, लेकिन किसी भी अधिकारी ने इस संबंध में बयान देने से इंकार कर दिया. इस हादसे के बाद राज्यपाल रमेन डेका का दौरा स्थगित कर दिया गया है. दौरा रद्द होने की वजह राज्यपाल के स्वास्थ्य कारणों को बताया जा रहा है.

फेमस बनने चला था, कटवा बैठा चालान : स्टंटबाजी करने वाले युवक पर पुलिस ने ठोका जुमार्ना

संवाददाता ● रायपुर

यातायात पुलिस रायपुर ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर नवा रायपुर में स्टंट और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले चालक पर सख्त कार्रवाई की है. पुलिस ने बताया कि नवा रायपुर क्षेत्र में लगे कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है, जिससे स्पीड बाइकर्स की पहचान कर उनके खिलाफ ई-चालान जारी किया जा रहा है.27 मार्च 2025 को एक वायरल वीडियो सामने आया, जिसमें दोपहिया वाहन सीडी डीलक्स का चालक सड़क पर खतरनाक स्टंट कर रहा था. वीडियो में युवक को सांप की चाल की तरह बाइक चलाने और लेटकर वाहन चलाने के दृश्य दिखे. वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन स्वामी खेलू विश्वकर्मा (निवासी ग्राम पलौद, मंदिर हसौद, रायपुर) को नोटिस भेजकर तलब किया.

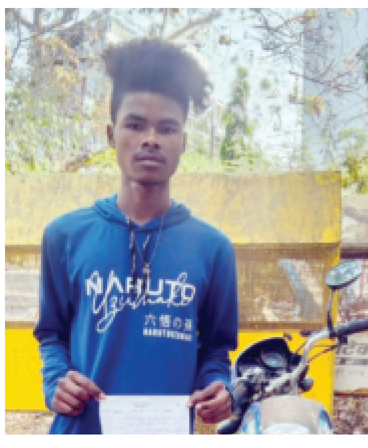

जांच में पता चला कि वाहन चला रहा युवक मोहन विश्वकर्मा (19 वर्ष), वाहन स्वामी का भतीजा था, जो बिना अनुमति के बाइक लेकर नवा रायपुर की सड़कों पर निकल गया था. जांच में पाया गया कि चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, वाहन का बीमा नहीं था, और वाहन स्वामी ने बिना लाइसेंस के व्यक्ति को गाड़ी सौंप दी थी.

6000 का जुमार्ना

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत पुलिस ने वाहन चालक और स्वामी के खिलाफ धारा 184, 3/181, धारा 5/180, धारा 146/196 कार्रवाई की गई. इसके तहत 6000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया और दोनों को सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही न करें.

नवा रायपुर में स्टंटबाजों पर कड़ी निगरानी

पुलिस ने बताया कि नवा रायपुर में स्टंट करने और रील बनाने वाले बाइकर्स पर सख्त नजर रखी जा रही है. अक्सर युवा सोशल मीडिया पर स्टंट वीडियो डालकर दूसरों को प्रेरित करते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है. कई अभिभावक भी बच्चों की जिद के आगे मजबूर होकर स्पीड बाइक खरीदकर दे देते हैं, जो खतरनाक साबित हो सकता है. कैमरों की मदद से पुलिस रोजाना ऐसे बाइकर्स का ई-चालान जारी कर रही है. वर्ष 2025 के पहले तीन महीनों में 135 से अधिक चालान स्पीड बाइकर्स पर किए जा चुके हैं.

नुउक, ग्रीनलैंड। एक नाव ग्रीनलैंड की राजधानी के बाहर जमे हुए समुद्री प्रवेश द्वार से होकर यात्रा करती है।

आंगनवाड़ी केंद्र में महिला टीचर-सहायिका में मारपीट

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित एक आंगनवाड़ी केंद्र में सहायिका और शिक्षिका के बीच 'दंगल' देखने को मिला। मामला छाता तहसील का है। आंगनवाड़ी सहायिका और टीचर के बीच जमकर लात घूंसे चले। एक-दूसरे को पीटते हुए दोनों जमीन पर गिर पड़ीं लेकिन मारपीट जारी रही। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। बीएसए ने खंड शिक्षाधिकारी को इसकी जांच सौंपी गई है। छाता के गांव बहरावली स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में ही आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। बुधवार को यहां किसी बात को लेकर प्रभारी प्रधान अध्यापिका और आंगनबाड़ी की महिला कार्यकर्ता के मध्य मारपीट हो गई। बताया गया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने लघुशंका के बाद प्रधानाध्यापिका की पानी की बोतल से हाथ धो लिए। यह देख प्रथानाध्यापिका गुस्सा हो गईं। दोनों में कहासुनी होने लगी, उसके बाद मारपीट शुरू हो गई। स्कूल के बच्चे यह देख घबरा उठे।

चौथे जवान का शव पाया गया

कठुआ एनकाउंटर में 5 आतंकी ढेर

एजेंसी ● जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में कम से कम पांच आतंकवादी ढेर हुए हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं। वहीं चाल पुलिसकर्मियों के शहीद होने की पुष्टि हो चुकी है। जिले के सुदूर वन क्षेत्र में पहले हुई मुठभेड़ वाली जगह के पास शुक्रवार को, ड्रोन के जरिए एक और पुलिसकर्मी का शव देखा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुठभेड़

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में यह चौथा पुलिसकर्मी शहीद हुआ है। सुरक्षा बलों ने तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। उन्होंने बताया कि दूसरे दिन भी भारी गोलीबारी और विस्फोटों की तेज आवाजें

सुनाई देती रहीं। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने आज सुबह विभिन्न दिशाओं से क्षेत्र में प्रवेश किया। अधिकारियों ने बताया कि सुबह होते ही अभियान फिर से शुरू कर दिया। सुरक्षा बलों का मुख्य उद्देश्य मारे गए आतंकवादियों और पुलिसकर्मियों के शवों को निकालना, एक लापता पुलिसकर्मी को ढूंढना तथा इलाके में किसी भी संभावित खतरे को खत्म करना था।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल सावधानीपूर्वक बढ़ रहे हैं क्योंकि माना जा रहा है कि दो और आतंकवादी वहां छिपे हुए हैं। पहले उन्हें मृत मान लिया गया था, लेकिन ड्रोन द्वारा उनके शव नहीं देखे जा सके। अधिकारियों ने बताया कि राजबाग के घाटी जूथाना में जखोले गांव के निकट आतंकवादियों के खिलाफ अभियान गुरुवार सुबह करीब आठ बजे शुरू हुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के नेतृत्व में सेना और सीआरपीएफ की मदद से की गई जवाबी कार्रवाई में तीन आतंकवादी मारे गए। एक उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सहित पांच पुलिसकर्मी कथित तौर पर गोलीबारी के स्थान के पास फंस गए, जो घने पेड़ों से घिरे एक नाले के पास था। इससे तनाव और बढ़ गया। सडीपीओ (एक डीएसपी रैंक के अधिकारी) को बृहस्पतिवार देर शाम घायल अवस्था में घटनास्थल से निकाला गया, जबकि उनके तीन निजी सुरक्षा अधिकारी मृत पाए गए। आज सुबह एक पुलिसकर्मी का शव देखा गया।

एसडीपीओ के अलावा तीन और पुलिसकर्मियों को कठुआ अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अभियान में सेना के दो जवान घायल हुए हैं। बचे हुए आतंकियों का सफाया करने के लिए सेना ने स्निफर डॉग्स और ड्रोन तैनात किए हैं। रिपोट्र्स में कहा गया है कि यहां 9 से 10 आतंकवादी छिपे हो सकते हैं।

पुलिस कर रही पूछताछ : पाक बॉर्डर पर पकड़ाया जासूस सेना कैंप की भेज रहा था तस्वीरें

संवाददाता ● जैसलमेर

राजस्थान के जैसलमेर में पाकिस्तान से सटे गांव मोहनगढ़ से एक पाकिस्तानी जासूस को हिरासत में लिया गया है। मूल रूप से करमो की ढाणी चांधन जैसलमेर का रहने वाला यह जासूस जीरो आरडी मोहनगढ़ में आर्मी क्षेत्र के फोटो और वीडियो बनाकर पाकिस्तान में बैठे आईएसआई के पदाधिकारियों को भेज रहा था। काफी समय से इस जासूस पर नजर रख रही पुलिस और भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने पुख्ता सबूत मिलते ही इसे हिरासत में ले लिया है।

पकड़े गए आरोपी कीव पहचान 40 वर्षीय पठान खान के रूप में हुई है। अब तक की पूछताछ में पता चला है कि इसके कई रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं। यह खुद भी साल 2019 में पाकिस्तान गया था और काफी समय तक वह रहकर भारत लौटा। आरोप है कि भारत लौटने के बाद से ही इसने पाकिस्तान के लिए जासूसी शुरू कर दी थी। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक इसे आर्मी क्षेत्र में घुसकर संवेदनशील तस्वीरें खींचकर और वीडियो बनाकर पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसी को उपलब्ध कराना था। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक आरोपी को हिरासत में लेने के साथ ही उसके मोबाइल फोन को जब्त किया गया है। आरोपी के मोबाइल में कई ऐसे ऐप भी मिले हैं, जिनके जरिए आरोपी यहां से फोटो और वीडियो पाकिस्तान भेज रहा था। पुलिस को उम्मीद है कि उसके मोबाइल की जांच में कई और बड़े खुलासे

हो सकते हैं। फिलहाल फोरेंसिक टीम की मदद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मोबाइल से डिलीट किए गए डाटा को भी रिकवर करने की कोशिश कर रही है।

बता दें कि भारत पाकिस्तान की सरहद पर रखवाली के लिए बीएसएफ के जवानों की तैनाती की गई है। वहीं देश की सीमा के अंदर सक्रिय पाकिस्तानी जासूसों पर नजर रखने के लिए केंद्रीय गुप्तचर एजेंसियां लोकल पुलिस की मदद से इनपुट जुटाती हैं। पुलिस के मुताबिक पाकिस्तान जाकर लौटने वालों पर खास नजर रखी जाती है। आरोपी पठान खान भी साल 2019 में पाकिस्तान से लौटने के बाद पुलिस की रडार पर था। इस दौरान कई बार सूचना मिली कि वह जासूसी कर रहा है, लेकिन पुख्ता सबूत नहीं थे। इसलिए पुलिस इसके ऊपर दूर से ही नजर रख रही थी। अब शक की पुष्टि होने के बाद उसे हिरासत में लिया गया है।

दिल्ली के बदमाश की अजब दास्तान

रसगुल्ला खाने फ्लाइट से जाता था कोलकाता...

सूट-बूट वाला चोर

एजेंसी ● वडोदरा

जब दिल्ली में 26 साल के विकास नामदेव का रसगुल्ला खाने का मन किया तो उसने किसी लोकल मिठाई की दुकान पर जाने का नहीं सोचा बल्कि फ्लाइट की टिकट ली और कोलकाता पहुंच गया। वहां स्वादिष्ट रसगुल्लों का लुफ्त उठाया और उसी रात दूसरी फ्लाइट से वापस भी आ गया। इसी तरह जब उसका मन स्कॉच पीने का किया

दास्तान

तो वह गोवा पहुंच गया और कुछ ही घंटों में वापस भी आ गया। अब ऐसे में आपके भी मन में आ रहा होगा कि आखिर नामदेव ऐसा क्या करता है जो वो इस तरह की लाइफस्टाइल जी पा रहा है? बता दें कि वो कोई बहुत ही अमीर बिजनेसमेन नहीं है। और उसकी फिजुलखर्ची भरी जीवनशैली का भी आखिरकार अंत हो गया है लेकिन इसका अंत इंकटैक्स ऑफिसर्स ने नहीं बल्कि वडोदरा की पुलिस ने किया है, जिन्हें पता चला कि 12वीं की पढ़ाई छोड़ देने वाला लड़का एक चोर है, जो अपनी इस जीवनशैली के लिए ट्रेनों में चोरी करता है। नामदेव मध्यप्रदेश का रहने वाला है और बुधवार को स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने नामदेव को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए पाया, जिसके बाद उसे वडोदरा रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया। उसके बैग की जांच करने पर उसमें से 34 लाख रुपये के गहने और जेवर बरामद किए गए। अपने ब्रैंडेड कपड़ों, जूतों और गहनों के लिए मशहूर नामदेव गुजरात के वडोदरा और सूरत के बीच ट्रेन में पिछले तीन महीने से महिला यात्रियों के जेवर चुरा रहा है।

उसकी सूरत और शानदार कपड़े देखकर कोई उस पर शक नहीं कर पाता – पहचानें जाने से बचने के लिए नामदेव ने लंबे समय तक ठहरने के लिए वडोदरा और अहमदाबाद में होटल के कमरे बुक किए थे। उसने ट्रेन टिकट और ठहरने की जगह बुक करने के लिए चोरी किए गए आधार कार्ड का भी इस्तेमाल किया। साथ में यात्रा कर रहे यात्रियों के सामने वह खुद को कपड़ा व्यवसायी बताता था। उसकी अच्छी सूरत और शानदार कपड़े देखकर कोई उसपर शक नहीं कर पाता था।

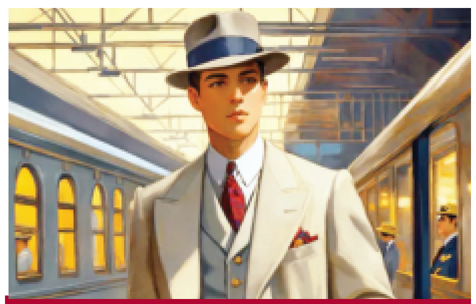

रेलवे एलसीबी अधिकारी ने कही ये बात

एक रेलवे एलसीबी अधिकारी ने कहा, उसने कई चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है और फिलहाल में बाकी के जेवर रिकवर करने में लगे हुए हैं। नामजेव पहले मध्यप्रदेश में वाहन चोरी करता था लेकिन फिर उसने ट्रेनों से जेवर चुराना शुरु कर दिया। महंगे कपड़े पहनकर लोगों के बीच घुलने मिलने के लिए वह अहमदाबाद से वडोदरा जाने वाली ट्रेनों में 3एसी या फिर 2एसी की टिकट बुक करता था। नामदेव सुबह 3 बजे से 4 बजे के बीच ट्रेन के डिब्बों में घूमता था और उन महिलाओं को अपना निशाना बनाता था, जिन्होंने गहने पहने हो थे। उनके गहनों को चुराने के बाद वह वडोदरा या फिर सूरत स्टेशन पर उतर जाता था।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)